twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD
दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 242, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

मॉनसून सत्र: विपक्ष को गोलबंद कर रही कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी ने 19 जुलाई को इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई

नई दिल्ली: संसद के मॉनसून सत्र से पहले विपक्षी दल एकजुट होकर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने 19 जुलाई को इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। सोनिया गांधी इस बैठक का नेतृत्व करेंगी। इस बैठक का मकसद विपक्षी एकता दिखाना और सरकार को घेरने के लिए एक ठोस रणनीति बनाना है।

विपक्ष को गोलबंद करने में जुटी कांग्रेस

कांग्रेस सभी विपक्षी दलों को इस बैठक में शामिल करने की कोशिश कर रही है। वे साझा मुद्दों पर सहमति बनाने और संसद में सरकार से जवाब मांगने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, दिल्ली चुनाव के बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच दूरियां बढ़ने के कारण, उसके इस बैठक से दूर रहने की संभावना है।

विपक्षी दल सरकार को घेरने की कोशिश में

संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले विपक्षी दल सरकार को घेरने की कोशिश में हैं। कांग्रेस ने पहले ही बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण पर सवाल उठाए हैं। अब मॉनसून सत्र के दौरान भी यह मुद्दा उठ सकता है।

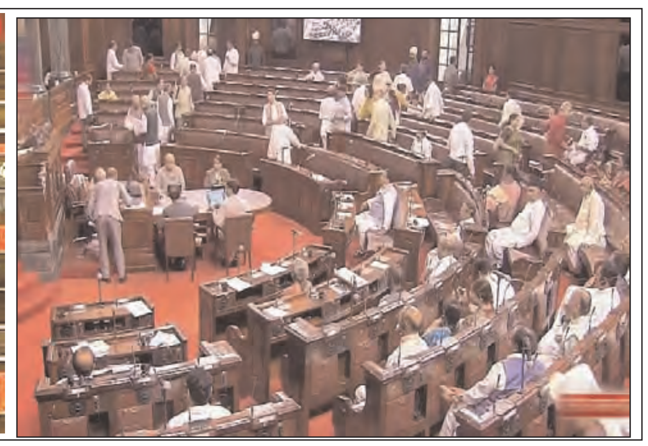

बैठक में आप के शामिल होने की संभावना कम

इस बैठक में आप के शामिल होने की संभावना कम है। दिल्ली चुनाव के बाद कांग्रेस और आप साथ नहीं दिखना चाहते। कांग्रेस भी उसे न्योता नहीं देना चाहती और आप भी ऐसी बैठक में शामिल नहीं होना चाहती जिसमें कांग्रेस हो। इसका मुख्य कारण दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस और आप के बीच बढ़ी राजनीतिक दूरी है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस भी आप को बैठक के लिए औपचारिक न्योता नहीं देना चाहती। दूसरी ओर, आप भी किसी ऐसे मंच पर शामिल नहीं होना चाहती जहां कांग्रेस की अगुवाई हो। इस दूरी के पीछे चुनावी रणनीति और एक दूसरे पर अविश्वास का बड़ा योगदान है।

बैठक में विपक्षी दलों की रणनीति पर चर्चा होगी

रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस पार्टी विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगी है। 19 जुलाई को होने वाली बैठक में विपक्षी दलों की रणनीति पर चर्चा होगी। वे संसद में सरकार को जवाबदेह बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बात करेंगे। सोनिया गांधी की मौजूदगी से इस बैठक को एकता का संदेश मिलेगा।

संभावित असहमति को पहले ही सुलझाने की कोशिश

कांग्रेस चाहती है कि मॉनसून सत्र से पहले ही विपक्ष का एक साझा एजेंडा बन जाए। इससे संसद में सरकार को मुद्दों पर घेरा जा सकेगा। सिर्फ नारे लगाने या विरोध करने से कुछ नहीं होगा। इसलिए, पार्टी ने मुद्दों को ध्यान से चुना है और संभावित असहमति को पहले ही सुलझाने की कोशिश कर रही है।

विपक्ष इन मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगा। सूत्रों के अनुसार, पहलगाम की हालिया घटनाएं, ऑपरेशन सिंदूर और डोनाल्ड ट्रंप के पीएम मोदी को लेकर किए गए कथित दावे मुख्य मुद्दे हैं।

विपक्ष इन तीनों मुद्दों पर सरकार से जवाब चाहता है। कांग्रेस की संसदीय रणनीतिक समिति की बैठक में कुछ और मुद्दे भी तय किए गए हैं।

विपक्ष कई मुद्दों पर केंद्र सरकार से जवाब मांगेगा

कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक के दलों से बात करके कुछ राष्ट्रीय मुद्दे चुने हैं। इन मुद्दों पर सभी दलों की सहमति है। विपक्ष इन मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगा। सूत्रों के अनुसार, पहलगाम की हालिया घटनाएं, ऑपरेशन सिंदूर और डोनाल्ड ट्रंप के पीएम मोदी को लेकर किए गए कथित दावे मुख्य मुद्दे हैं। विपक्ष इन तीनों मुद्दों पर सरकार से जवाब चाहता है। कांग्रेस की संसदीय रणनीतिक समिति की बैठक में कुछ और मुद्दे भी तय किए गए हैं। इन मुद्दों को भी विपक्षी दलों को बता दिया गया है। लेकिन कांग्रेस ने कहा है कि वह किसी भी मुद्दे को थोपना नहीं चाहती है। पार्टी का रवैया लचीला है और वह सहयोगी दलों के सुझावों को भी शामिल करने के लिए तैयार है। संभावित असहमति को पहले ही सुलझाने की कोशिश कांग्रेस चाहती है कि मॉनसून सत्र से पहले ही विपक्ष का एक साझा एजेंडा बन जाए। इससे संसद में सरकार को मुद्दों पर घेरा जा सकेगा। सिर्फ नारे लगाने या विरोध करने से कुछ नहीं होगा। इसलिए, पार्टी ने मुद्दों को ध्यान से चुना है और संभावित असहमति को पहले ही सुलझाने की कोशिश कर रही है।

विपक्ष इन मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगा। सूत्रों के अनुसार, पहलगाम की हालिया घटनाएं, ऑपरेशन सिंदूर और डोनाल्ड ट्रंप के पीएम मोदी को लेकर किए गए कथित दावे मुख्य मुद्दे हैं।

निर्यात किए जाने वाले पशुधन पर रोगाणुरोधी दवा का नहीं होगा प्रयोग

नई दिल्ली: अब निर्यात किए जाने वाले पशुधन पर रोगाणुरोधी दवाओं का प्रयोग नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने पशुधन को बढ़ावा देने के लिए प्रयोग की जाने वाली 18 एंटीबायोटिक्स, 18 एंटीवायरल और एक एंटीप्रोटोजोअल समेत 37 दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि दूध और दूध उत्पादों, शहद, पशुओं की आंत और खाल, अंडे व अंडा उत्पादों की गुणवत्ता से जुड़े आदेश में संशोधन किया गया है। 15 जुलाई को जारी अलग-अलग आदेशों में वाणिज्य विभाग ने कहा कि मुर्गी पालन में बढ़ाने के लिए किसी भी रोगाणुरोधी औषधीय उत्पाद का उपयोग नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही ऐसे औषधीय उत्पादों का उपयोग मधुमक्खियों, दुधारू पशुओं, अंडा देने वाले पक्षियों, मवेशियों, बकरी, भैंस, भेड़ और सूअरों के उपवार के लिए भी नहीं किया जाएगा। इन दवाओं का उपयोग पोल्ट्री फार्म और उन सभी जगहों पर प्रतिबंधित होगा, जहां से इनको खरीदा जाता है।

बेंगलुरु भगदड़: कर्नाटक सरकार की आई रिपोर्ट

बेंगलुरु: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विक्ट्री परेड के दौरान मची भगदड़ को लेकर जांच रिपोर्ट आई गई है। सिद्दरमैया सरकार ने कर्नाटक हाई कोर्ट में अपनी रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में बताया गया कि आरसीबी ने बिना पुलिस इजाजत के लोगों को विक्ट्री परेड में आने का आमंत्रण दिया था। विक्ट्री परेड में 11 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे। राज्य सरकार ने अदालत से रिपोर्ट को गोपनीय रखने का आग्रह किया था, लेकिन अदालत ने कहा कि इस गोपनीयता का कोई कानूनी आधार नहीं है। राज्य सरकार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आरसीबी मैनेजमेंट ने आईपीएल फाइनल मुकाबला जीतने के बाद 3 जून को पुलिस से संपर्क किया था। लेकिन, यह बस एक सूचना मात्र थी। मैनेजमेंट में कानूनी तौर पर इजाजत नहीं मांगी थी। कानून के मुताबिक, ऐसी इजाजत आयोजन से कम से कम सात दिन पहले लेनी होती है।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली लोकतांत्रिक नहीं: तेजस्वी यादव

पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाया है। उन्होंने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली लोकतांत्रिक नहीं है। बिहार में मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर जानबूझकर वोटरों के नाम काटा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि 30 तारीख को मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर दिल्ली में एक बैठक का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गठबंधन के सभी घटक शामिल होंगे। मैं वहां इस बात को सबके सामने रखूंगा। नेता प्रतिपक्ष

तेजस्वी यादव ने कहा कि सूत्रों के हवाले से एक खबर आई कि 35 लाख नाम हटाए जाएंगे। एक अंग्रेजी अखबार का हवाला देते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि सूत्रों के हवाले से एक खबर आई कि तीन दिन पहले इस अखबार में जो डाटा दिया गया है वही डाटा आज भी दिया गया है। तेजस्वी यादव ने दलील देते हुए कहा कि जब प्रक्रिया होती रहती है तो आंकड़ा घटता बढ़ता भी है।

लेकिन दो-तीन दिनों में यह आंकड़ा ना तो घटा है और ना तो बढ़ा है। हु-बहू वही नंबर दिया गया है। और सवाल यह भी खड़ा होता है कि अभी भी एक सप्ताह बाकी है, यह 35 लाख की जानकारी कहां से आ गई। अभी भी कई जगह बीएलओ नहीं पहुंचे हैं उनके घर तक। एक मौखिक आदेश आया है कि खुद ही साइन करो खुद ही ठप्पा लगाओ खुद ही अपलोड करो।

उद्धव-सीएम फडणवीस मीटिंग: महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल

पुणे

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर करवट लेती दिख रही है। बुधवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अप्रत्यक्ष रूप से सत्ताधारी पक्ष में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद दोनों नेता एक-दूसरे से मिलते नजर आए थे। वहीं, ठीक एक दिन बाद गुरुवार को दोनों नेताओं की मुलाकात विधान परिषद के सभापति राम शिंदे के कार्यालय में हुई। यह बैठक करीब 20 मिनट तक चली। इस

बैठक में आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे। इन दो मुलाकातों ने राजनीतिक गलियारों में नई संभावनाओं को जन्म दे दिया है। इस मुलाकात पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि आज हमने मुख्यमंत्री को एक संकलन दिया है, जिसमें लिखा है कि पहली कक्षा से तीन-भाषा नीति क्यों नहीं होनी चाहिए। बता दें कि बुधवार को विधानसभा में फडणवीस ने साफ कहा था कि भारतीय जनता पार्टी 2029 तक विपक्ष में जाने वाली नहीं है। उन्होंने उद्धव ठाकरे को इशारों में संदेश दिया था कि वह चाहें तो किसी अलग रास्ते से सत्तापक्ष में आ सकते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब उद्धव ठाकरे लगातार गठबंधन सरकार की तीन-भाषा नीति को लेकर आलोचना कर रहे हैं।

शुभांशु शुक्ला की सेहत बिल्कुल ठीक: इसरो

नई दिल्ली: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को बताया कि अंतरिक्ष से लौटे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की शुरूआती स्वास्थ्य जांच में उनकी तबीयत बिलकुल ठीक पाई गई है और फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है। शुभांशु शुक्ला 15 जून को पृथ्वी पर लौटे थे। वह अमेरिकी प्राइवेट मिशन एक्सिओम-4 के तहत 20 दिन की अंतरिक्ष यात्रा पर गए थे। वह और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री (पेगी व्हिटसन, स्लावोश उजनांस्की-विस्निवस्की और टिबोर कापू) 'ड्रैगन ग्रेस' नाम के स्पेसक्रॉफ्ट में सवार थे, जो कैलिफोर्निया में समुद्र में सुरक्षित लैंड हुआ था।

अंतरिक्ष से वापसी के तुरंत बाद हुई थी जांच

स्पेसक्राफ्ट से बाहर निकलने के तुरंत बाद, सभी अंतरिक्ष यात्रियों की शुरूआती स्वास्थ्य जांच एक जहाज पर की गई थी। इसके बाद हेलिकॉप्टर से उन्हें एक्सिओम स्पेस कंपनी में ले जाया गया, जहां और भी गहन जांच और बातचीत की गई।

शुभांशु शुक्ला को फिर अमेरिका के ह्यूस्टन शहर ले जाया गया, जहां उन्हें एक सप्ताह के विशेष स्वास्थ्य पुनर्वास कार्यक्रम में शामिल किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरिक्ष में बिताए गए समय के कारण शरीर पर पड़े असर को कम करना है।

एक्सिओम कंपनी में डॉक्टर्स कर रहे देखरेख

इसरो ने बताया कि यह कार्यक्रम एक्सिओम कंपनी के डॉक्टरों की देखरेख में चल रहा है और इसरो के डॉक्टर भी इसमें भाग ले रहे हैं। इस पुनर्वास कार्यक्रम में खास तौर पर हृदय की जांच, मांसपेशियों और हड्डियों की ताकत की जांच और मानसिक स्थिति की समीक्षा की जाती है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वाड्रा के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में आरोप पत्र दायर कर दिया है। इसमें कई अन्य व्यक्तियों और कंपनियों के नाम भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, ईडी ने शिकोहपुर भूमि सौदा मामले में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एक पूरक अभियोजन शिकायत दायर की है। मामला सितंबर 2018 का है, जब सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा, हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, रियल

एस्टेट कंपनी डीएलएफ और एक प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में भ्रष्टाचार, जालसाजी और धोखाधड़ी सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं।

क्या है मामला?

वाड्रा पर आरोप हैं कि उनसे जुड़ी कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से 7.5 करोड़ रुपये में 3.5 एकड़ जमीन खरीदी थी। इस सौदे का म्यूटेशन भी असामान्य तरीके से कर दिया गया। आरोप है कि हरियाणा के तत्कालीन भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार ने इस जमीन में से 2.70 एकड़ जमीन को कमर्शियल कॉलोनी के तौर पर डेवलप करने की इजाजत देते हुए रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी को इसका लाइसेंस दिया था। आवासीय परियोजना का लाइसेंस मिलने के बाद जमीन की कीमत बढ़ गई। बाद में वाड्रा से जुड़ी कंपनी ने कंपनी ने ये जमीन डीएलएफ को 58 करोड़ में बेच दी। आगे चलकर हुड्डा सरकार ने आवासीय परियोजना का लाइसेंस डीएलएफ को ट्रांसफर कर दिया। आरोप है कि इस पूरी डील में कई

10 लाख नागरिकों को मिलेगा नि:शुल्क एआई प्रशिक्षण

नई दिल्ली/एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने घोषणा की है कि 10 लाख नागरिकों को निःशुल्क आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रशिक्षण दिया जाएगा। ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) को इस प्रशिक्षण में प्राथमिकता दी जाएगी। यह निर्णय डिजिटल इंडिया के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में लिया गया है और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में आयोजित डिजिटल इंडिया उत्सव के दौरान इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सीएससी नेटवर्क ने देश के लगभग 90 प्रतिशत गांवों तक पहुंच बनाई है। मंत्री ने ग्रामीण उद्यमियों की प्रेरक कहानियों का उल्लेख किया, जिन्होंने डिजिटल कौशल हासिल कर अपने समुदायों को सशक्त बनाया है।

भारत के लिए ऊर्जा की जरूरतें पूरी करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को नाटो प्रमुख की धमकी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। नाटो चीफ ने रूस के साथ व्यापारिक संबंध बनाए रखने पर भारत पर संभावित 'द्वितीय प्रतिबंधों की धमकी दी थी। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि इस मामले में 'दोहरा मापदंड' नहीं चलेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दिल्ली में मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि हमने इस बारे में खबरें देखी हैं और हम इस पर ध्यान रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतें पूरी करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यह बात समझने वाली है।

नाटो चीफ ने भारत को दी थी प्रतिबंधों की धमकी

जायसवाल ने 'दोहरे मापदंड' के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि हम बाजारों में उपलब्ध चीजों और वैश्विक परिस्थितियों को देखकर ही फैसले लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमें इस मामले में किसी भी तरह के दोहरे मापदंड से बचना चाहिए। विदेश मंत्रालय की यह टिप्पणी ठअळड प्रमुख मार्क रुटे के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अमेरिका के सीनेटरों टॉम टिलिस और जीन शाहीन के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत, चीन और ब्राजील से रूस के साथ अपने आर्थिक संबंधों पर फिर से विचार करने को कहा था।

रुटे ने कहा था कि अगर रूस शांति वार्ता के लिए तैयार नहीं होता है, तो उन्हें '100 प्रतिशत सेकेंडरी सैंक्शनंस का सामना करना पड़ सकता है।

भारत को रूस पर दबाव डालने को कहा था

रुटे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख को दोहराया था। ट्रंप ने पहले ही रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर भारी टैक्स लगाने की धमकी दी थी। रुटे ने कहा, 'मैं इन तीनों देशों से कहना चाहता हूं, खासकर बीजिंग या दिल्ली में रहने वालों से, या ब्राजील के राष्ट्रपति से, कि वे इस पर ध्यान दें, क्योंकि इससे उन्हें बहुत नुकसान हो सकता है।' उन्होंने इन देशों से रूस पर बातचीत के लिए दबाव डालने की अपील की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'कृपया व्लादिमीर पुतिन को फोन करें और उनसे कहें कि वे शांति वार्ता को लेकर गंभीर हों, नहीं तो इसका बुरा असर ब्राजील, भारत और चीन पर पड़ेगा।' यह बयान ट्रंप की यूक्रेन को अतिरिक्त सैन्य सहायता देने की घोषणा के बाद आया है। इस सहायता में हवाई सुरक्षा प्रणाली, मिसाइलें और गोला-बारूद शामिल हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक संयुक्त पत्र लिखा है। उन्होंने आग्रह किया कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने संबंध में संसद के आगामी मानसून सत्र में एक विधेयक लाया जाए और लद्दाख को भी संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने संयुक्त पत्र में लिखा, हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए एक विधेयक लाए।

इसके अलावा, हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए कानून बनाए। यह लद्दाख के लोगों की सांस्कृतिक, विकासात्मक और राजनीतिक आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा और साथ ही उनके अधिकारों, भूमि और पहचान की भी रक्षा करेगा। पत्र में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों से जम्मू-कश्मीर के लोग लगातार पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहे हैं। यह मांग जायज होने के साथ-साथ उनके संवैधानिक और

लोकतांत्रिक अधिकारों पर भी आधारित है कांग्रेस नेताओं ने पत्र में लिखा, यह समझना जरूरी है कि जहां पहले भी केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य का दर्जा दिए जाने के उदाहरण रहे हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर का मामला स्वतंत्र भारत में अभूतपूर्व है।

यह पहली बार है जब किसी पूर्ण राज्य को उसके विभाजन के बाद केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया गया है। राहुल गांधी और खड़गे ने प्रधानमंत्री के पूर्व बयानों का हवाला भी दिया, जिनमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटाने का आश्वासन दिया था। पत्र में लिखा गया है, आपने स्वयं कई अवसरों पर राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में दिए अपने साक्षात्कार में आपने कहा था कि राज्य का दर्जा बहाल करने के वादे पर हम पूरी तरह से गंभीर है और इस पर कायम हैं। 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए आपने फिर से पुष्टि की कि हमने संसद में कहा है कि हम इस क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करेंगे। इसके अलावा, पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में भी राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल करने का आश्वासन दिया था।

भारत को स्वदेशी ड्रोन रोधी प्रणालियों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए : सीडीएस

एजेंसी

नई दिल्ली । पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारतीय सेनाओं को मिले सबक के आधार पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने उभरते हवाई खतरों के विरुद्ध भारत की रक्षा को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। सीडीएस ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने 10 मई को निहत्थे ड्रोन और लोटर हथियारों का इस्तेमाल किया?, लेकिन उनमें से कोई भी वास्तव में भारतीय सैन्य या नागरिक बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सका। राजधानी के मानेकशा सेंटर में एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय ने बुधवार को थिंक-टैंक सेंटर फॉर जॉइंट

वारफेयर स्टडीज के सहयोग से यूएवी और सी-यूएएस के क्षेत्र में विदेशी ओईएम से वर्तमान में आयात किए जा रहे महत्वपूर्ण घटकों का स्वदेशीकरण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। उद्घाटन सत्र के अपने मुख्य भाषण में सीडीएस ने कहा कि ड्रोन वास्तविकता का प्रमाण हैं और हाल के संघर्षों में उनकी व्यापक उपयोगिता दर्शाती है कि कैसे ड्रोन अपने आकार या कीमत के अनुपात में सामरिक संतुलन को असमान रूप से बदल सकते हैं।? सीडीएस ने जोर देकर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया है कि हमारे भूभाग और हमारी ज़रूरतों के लिए स्वदेशी रूप से विकसित यूएएस, सी-यूएएस क्यों महत्वपूर्ण हैं। सीडीएस चौहान ने कहा कि कार्यशाला के दौरान स्वदेशी ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि विदेशी तकनीक पर निर्भरता राष्ट्रीय तैयारियों को कमजोर करने के साथ ही उत्पादन को सीमित करती है, क्योंकि चौबीसों घंटे उपलब्धता के लिए महत्वपूर्ण पुर्जों की कमी होती है। आत्मनिर्भरता के सिद्धांत को रेखांकित करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि हम उन आयातित विशिष्ट तकनीकों पर निर्भर नहीं रह सकते, जो हमारे आक्रामक और रक्षात्मक अभियानों के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि असममित ड्रोन युद्ध बड़े प्लेटफार्मों को कमजोर बना रहा है, जिससे सेनाओं को वायु सिद्धांतों, सी-यूएएस के विकास और वैचारिक पहलुओं पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

श्री दरबार साहिब को लगातार तीसरे दिन बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़,। अमृतसर स्थित श्री दरबार साहिब को बुधवार को लगातार तीसरे दिन आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई है। ई-मेल के माध्यम से मिल रही धमकियों के बाद सुरक्षा को पहले से और ज्यादा बढ़ा दिया गया है। दरबार साहिब परिसर के बाहर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को तैनात कर दिया गया है। बुधवार को धमकी मिलने के बाद पुलिस ने यहां बम निरोधक दस्ते को स्थाई रूप से तैनात कर दिया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) को इससे पहले सोमवार तथा मंगलवार को भी मेल आ चुकी है। बुधवार को मिली ई-मेल में दावा किया गया कि पाइपों में आरडीएक्स भरकर मंदिर के

अंदर धमाके किए जाएंगे। मेल मिलने के बाद एसजीपीसी की सूचना पर पुलिस ने परिसर में सर्च ऑपरेशन चलाया। जांच के लिए डॉग और बम स्क्वायड पहुंचा। लगातार मिल रही धमकियों के बाद पुलिस अलर्ट पर है। मंगलवार को धमकी मिलने के बाद दरबार साहिब परिसर में बीएसएफ जवान और पुलिस कमांडो तैनात किए गए हैं। हर आने-जाने वाले की जांच की जा रही है।

एसजीपीसी प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने बताया कि 15 जुलाई को दूसरी ई-मेल केरल के मुख्यमंत्री और पूर्व चीफ जस्टिस की फेक आईडी से भेजी गई थी। आज सुबह आसिफ कपूर नाम के ई-मेल एड्रेस से ईमेल आई। ये ईमेल मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी भेजी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले लंबे समय से हमारे आस्था के केंद्र गोल्डन टेंपल को टारगेट किया जा रहा। वर्ष 1984 में श्री दरबार साहिब का बहुत नुकसान हुआ था। गुरुओं द्वारा दिए गए उपदेश कुछ लोगों को अच्छे नहीं लग रहे। 14 जुलाई से लगातार धमकी भरी ईमेल आ रही हैं। पुलिस को इस मामले में ठोस कार्रवाई करते हुए आरोपित को पकड़ना चाहिए।

मुख्यमंत्री 'रियल एस्टेट ब्रोकर' की तरह काम कर रहे हैं: गौरव गोगोई

गुवाहाटी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा पर तीखा हमला करते हुए उन पर बाहर के उद्योगपतियों को ज़मीन सौंपने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अब एक जनसेवक नहीं, बल्कि रियल एस्टेट ब्रोकर के रूप में कार्य कर रहे हैं। गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण राज्य में भय और अत्याचार का माहौल बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह सरकार खासतौर पर आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाकर उन्हें उनकी जमीन से बेदखल कर रही है। गोगोई ने दावा किया कि असम सरकार ने करीब 17,000 एकड़ ज़मीन बाहरी उद्योगपतियों को सौंप दी है और यह सब स्थानीय लोगों की सहमति के बिना किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी गरीबों और हाशिये पर खड़े लोगों की जमीन छीन रहे हैं। यह सरकार अब जनप्रशासन नहीं, बल्कि एक रियल एस्टेट सिंडिकेट बन चुकी है।गोगोई ने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी असम के लोगों के आत्मसम्मान, गरिमा और भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। भाजपा सरकार की अमानवीय नीतियों के खिलाफ कांग्रेस मजबूती से खड़ी रहेगी।

नीतीश कुमार ने दिए शिक्षक भर्ती के निर्देश, महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण

एजेंसी

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की रिक्तियों को तुरंत भरने के लिए शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं। सीएम नीतीश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा विभाग को कहा है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों की गणना तुरंत कर खाली पद पर नियुक्ति के लिए टीआरई-4 की परीक्षा का आयोजन शीघ्र कराया जाए। उन्होंने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीआरई-4) जल्द से जल्द आयोजित करने का आदेश दिया है ताकि रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जा सकें। इसके साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षक भर्ती में 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ केवल बिहार की महिलाओं को दिया जाएगा। नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और

शिक्षक भर्ती इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बिहार सरकार ने पहले ही शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण की नीति लागू की है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि यह आरक्षण केवल बिहार निवासी महिलाओं के लिए होगा, जिससे स्थानीय महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिल सकें। यह नीति महिलाओं के सशक्तिकरण और बिहार में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

पिछले कुछ वर्षों में बिहार सरकार ने शिक्षक भर्ती के लिए कई चरणों में टीआरई परीक्षाएं आयोजित की हैं। इन भर्तियों के जरिए लाखों शिक्षकों को सरकारी स्कूलों में नियुक्त किया गया है।

हालांकि, अभी भी कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, जिसे पूरा करने के लिए टीआरई-4 परीक्षा की तैयारी शुरू की गई है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि टीआरई-4 परीक्षा की तारीख और अन्य विवरणों की घोषणा जल्द की जाएगी। इस भर्ती से हजारों युवाओं, खासकर महिलाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

शिवप्रकाश हत्याकांड: विधायक बैराती बसवराज समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के किट्टगनूर इलाके में रौडी शीटर शिवप्रकाश उर्फ बिक्कलु शिव की हुई निर्मम हत्या के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक और पूर्व मंत्री बैराती बसवराज सहित पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई है। यह मामला मृतक की मां विजयलक्ष्मी द्वारा भारतीनगर पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज हुआ है। अन्य आरोपितों में जगदीश, किरण, विमल और अनिल के नाम शामिल हैं। एफआईआर में क्या है पीड़ित परिजनों की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार शिवप्रकाश एक प्लॉट विवाद को लेकर पहले से ही धमकियों का सामना कर रहा था। इसी बीच सोमवार देर रात आठ-नौ हमलावर सफेद रंग की स्कॉर्पियो में आए और उसके घर के सामने धारदार हथियारों से हमला कर उसकी हत्या कर दी। परिजनों के अनुसार, शिवप्रकाश पहले भी कई बार बैराती बसवराज और उनके समर्थकों से जान को खतरा होने की बात बता चुका था। शिवप्रकाश

ने 21 फरवरी, 2025 को भारतीनगर थाने में जगदीश और अन्य के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी। उसने आरोप लगाया था कि किट्टगनूर में खरीदे गए प्लॉट को लेकर उसे धमकाया जा रहा है और जबरन प्लॉट बेचने के लिए उसपर दबाव डाला जा रहा है। इस मामले में पहले भी प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई थी।

राहुल गांधी आदतन अपराधी, वह अपराध करते रहेंगे : अजय आलोक

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने बुधवार को निशाना साधा है। उन्होंने राहुल गांधी को आदतन अपराधी करार देते हुए कहा कि वे अपराध करते रहेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता का यह बयान उस वक्त आया है जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ सेना पर टिप्पणी मामले में दर्ज केस की सुनवाई में उन्हें लखनऊ के एमपी-एमएलए कोर्ट से जमानत मिल गई। यह मामला वर्ष 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के बारे में दिए गए कथित अपमानजनक बयान से जुड़ा हुआ है। भाजपा प्रवक्ता ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह वही राहुल गांधी हैं जिन्होंने कहा था कि चीनी सैनिक हमारे भारतीय सैनिकों को पीट रहे थे। भारतीय सेना का अपमान करने के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और इसी मामले में उन्हें जमानत मिली है। इन बयानों को लेकर राहुल गांधी में कोई शर्मिंदगी भी नहीं है। वह आदतन अपराधी है और अपराध करतें रहेंगे। जमानत मिलने के बाद भी वह फोटो

खिंचवाने के लिए पोज दे रहे थे, उनमें इतनी ही शर्म बची है।तेलंगाना की कानून व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस जहां भी जाती है, चीजें बिगड़ जाती हैं। कांग्रेस का मतलब बस तबाही है। इसलिए यह कोई नई बात नहीं है। तेलंगाना में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने अशोक गहलोत के एक बयान पर कहा कि अशोक गहलोत शायद किसी नई याददाश्त ताजा करने वाली बीमारी से ग्रस्त हैं। वह कह रहे थे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस राजीव गांधी का सपना था। राजीव गांधी का 1991 में निधन हो गया था। उस समय, मुझे नहीं पता कि दुनिया में किसी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में सुना भी था या नहीं। फिर भी यह राजीव गांधी का सपना बन गया। एक परिवार की तारीफ करने में ये लोग अपने ज्ञान का परिचय ऐसे देते हैं जो जनता में शक पैदा करता है।

उदयपुर फाइल्स पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक जारी रखी,कपिल सिब्बल बोले-यह नफरत फैलाने वाली फिल्म

एजेंसी

नई दिल्ली। उदयपुर फाइल्स फिल्म पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक जारी रखी है, केंद्र सरकार के फैसले का इंतज़ार करने का निर्देश दिया है. वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने फिल्म देखने के बाद अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि फिल्म समुदाय के खिलाफ नफ़रत फैलाती है और हिंसा को बढ़ावा देती है. सिब्बल ने फिल्म में समलैंगिकता, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और न्यायिक प्रक्रिया के गलत चित्रण पर भी आपत्ति जताई. कोर्ट ने केंद्र सरकार की कमेटी से जल्द फैसला लेने का अनुरोध किया है. सुप्रीम कोर्ट सोमवार को मामले पर अगली सुनवाई करेगा. कोर्ट ने आदेश में यह भी दर्ज किया है कि मृतक कन्हैया लाल के बेटे को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं. संबंधित एसपी और आयुक्त इसका आकलन करेंगे कपिल सिब्बल ने कहा कि जब हाईकोर्ट ने हमसे पूछा, तो मैंने खुद फिल्म देखी. मैं पूरी तरह से हिल गया था. अगर कोई जज इसे देखे, तो उसे पता चलेगा कि यह पूरी तरह से समुदाय के खिलाफ नफरत का विषय है, मैं आमतौर पर दूसरे पक्ष में हूं. यह एक दुर्लभ मामला है. यह हिंसा को जन्म देता है. उन्होंने मुझे नहीं लगता कि किसी भी देश में इस तरह के एजेंडा आधारित फिल्म को अनुमति मिलनी चाहिए.सुप्रीम कोर्ट आज हुई सुनवाई में उदयपुर फाइल्स फिल्म रिलीज पर लगी रोक

कहा कि यह एक समुदाय का अपमान है. समुदाय का एक भी सकारात्मक पहलू नहीं दिखाया गया है. समलैंगिकता, न्यायिक मामले, महिलाओं के साथ व्यवहार, एक लोकतांत्रिक देश ऐसी फिल्म को प्रमाणित कर रहा है. अकल्पनीय, नहीं हटाई है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्णय का अदालत इंतजार करेगी. सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा कि केंद्र सरकार के निर्णय का इंतजार करना ही उचित होगा. केंद्र सरकार की कमेटी जल्द से जल्द इस पर फैसला ले।

राज्य-चिह्न का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई : डॉ. सुमिता मिश्रा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव, डॉ. सुमिता मिश्रा ने नागरिकों से भारत के राज्य-चिह्न, जो भारत सरकार की आधिकारिक मुहर है, का दुरुपयोग न करने की एक कड़ी सार्वजनिक अपील की है। उन्होंने विशेष रूप से निजी वाहनों, लेटरहेड और साइनबोर्ड पर इस चिह्न के अनधिकृत प्रदर्शन के विरुद्ध चेतावनी दी है, और इस बात पर ज़ोर दिया है कि ऐसा कृत्य कानून का गंभीर उल्लंघन है और इसके लिए कड़ी सज़ा दी जाएगी।डॉ. मिश्रा ने कहा कि भारत का राज्य चिह्न सारनाथ स्थित अशोक के सिंह-स्तंभ का एक रूपांतर है। इस प्रतीक चिह्न का उपयोग भारत के राज्य प्रतीक चिह्न (अनुचित प्रयोग निषेध) अधिनियम, 2005 और

(प्रयोग विनियमन) नियम, 2007 द्वारा नियंत्रित होता है, जिसमें 2010 में संशोधन किया गया है। उन्होंने बताया कि ये कानून भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से अधिकृत न किए गए व्यक्तियों या संगठनों द्वारा इसके उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाते हैं। डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह प्रतीक चिह्न व्यक्तिगत पहचान, सामाजिक स्थिति या प्रभाव का प्रतीक नहीं है। यह केवल संवैधानिक प्राधिकारियों और सरकारी विभागों के लिए आरक्षित है, जहाँ कानून द्वारा अनुमति प्राप्त है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि 2005 के अधिनियम और 2007 के नियमों के तहत अनधिकृत उपयोग दंडनीय है, जिसमें भारी जुर्माने और कानूनी कार्यवाही के प्रावधान शामिल हैं।केंद्रीय गृह मंत्रालय के हालिया निर्देशों का हवाला देते हुए, डॉ. मिश्रा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने प्रतीक चिह्न, राष्ट्रीय प्रतीकों, मुहरों और झंडों के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक व्यापक रणनीति शुरू की है। इसमें स्कूलों, कॉलेजों और लॉ कॉलेजों में जन जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को प्रतीक चिह्न के कानूनी और संवैधानिक महत्व के बारे में शिक्षित करना शामिल है। यातायात पुलिस को वाहनों पर प्रतीक चिह्न के दुरुपयोग की पहचान करने और तत्काल दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा, विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के माध्यम से जनता को प्रतीक चिह्न के उपयोग से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में सूचित करें।

बिहार के गयाजी में बहा पुल, रेलवे ट्रैक पर मलबा गिरने से कई ट्रेनें प्रभावित

एजेंसी

पटना। बिहार में मानसून एक बार फिर से सक्रिय है। राज्य के कई इलाकों समेत गयाजी में भारी बारिश हो रही है, जिसकी वजह से भूस्खलन हुआ है और पुल वह गया है। सड़क यातायात और रेल परिचालन प्रभावित हुआ है। गयाजी में गया-कोडरमा रेल मार्ग के बसकटवा-यदुग्राम घाटी रेल सेक्शन में मलबा गिरने से अप और डाउन लाइन पर ट्रेनों का परिचालन रोकना पड़ा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार मंगलवार रात लगभग 11 बजे पहाड़ से भारी मलबा खिसक कर रेल पटरी पर आ गिरा,जिसे तुरंत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और रेलवे कर्मियों ने राहत कार्य शुरू कर दिया। अप लाइन पर सात घंटे तक परिचालन बाधित रहा, बुधवार सुबह 6 बजे रेल यातायात बहाल किया गया। डाउन लाइन पर रेल सेवा रात 2 बजे से बहाल कर दी गई थी। भारी बारिश की वजह से शेरघाटी में तबाही का मंजर दिखा। जहां पलकिया शेरपुर और फतेहपुर को जोड़ने वाली सड़क पर बना पुल बह गया।

मोरहर नदी में उफान के चलते आस-पास के कई इलाकों में पानी भर गया है। वहीं, इमामगंज प्रखंड के पकरी गुरिया गांव के खेतों में बाढ़ का पानी घुसने से धान की फसल तबाह हो गई है, जिससे किसान बेहद परेशान हैं।

'आरोपी को नहीं पता था उसने फौजा सिंह को टक्कर मारी', जालंधर हिट एंड रन केस में पुलिस ने कई खुलासे किए

एजेंसी

जालंधर । 114 वर्षीय प्रसिद्ध धावक फौजा सिंह से जुड़े हिट एंड रन मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के बाद जालंधर पुलिस ने अहम खुलासे किए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी को फौजा सिंह के बारे में कुछ नहीं पता था। आरोपी हादसे के कारण डर गया और घटनास्थल से गाड़ी लेकर भागा। आरोपी की पहचान अमृतपाल सिंह ढिल्लों के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 26 साल है। जालंधर के एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा, आरोपी को घटना के समय नहीं पता था कि उसने फौजा सिंह को टक्कर मारी है। फौजा सिंह को टक्कर मारने के बाद वह मौके से भाग गया। समाचार देखने के बाद उसे पता चला कि जिस व्यक्ति को उसने टक्कर मारी थी, वह फौजा सिंह थे। जालंधर पुलिस ने इस हिट एंड रन मामले को लगभग 30 घंटे के भीतर सुलझाते

हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसएसपी ग्रामीण हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि आरोपी अमृतपाल सिंह ढिल्लों कनाडा में काम करता है और 23 जून को अपने घर को बनवाने के लिए भारत लौटा था। आरोपी के पिता का निधन हो चुका है, जबकि उसकी बहन और मां कनाडा में रहती हैं। पुलिस अधिकारी हरविंदर सिंह विर्क के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज और आई विटनेस के आधार पर घटना की जांच की गई। घटनास्थल से गाड़ी के कुछ पार्ट के टुकड़े मिले थे। इन टुकड़ों की टोयटा कंपनी की अलग-अलग एजेंसियों में जांच करवाई गई। वहां से मिली जानकारी के बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, तब गाड़ी के बारे में पता चला। एसएसपी ने कहा कि हमने इस केस को एक चैलेंज के तौर पर लिया था और 30 घंटे के भीतर मामले को सुलझाया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ उसकी गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है। एसएसपी ने कहा कि आरोपी का फर्ज था कि घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाता, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। इसलिए बीएनएस की धारा 105 के तहत भी मुकदमा दर्ज किया है।

शुभांशु शुक्ला की पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और एक्सिओम-4 के पूरे दल को पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि ये देश के लिए गर्व का क्षण है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और एक्सिओम-4 के पूरे दल को पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी पर हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा कि शुभांशु शुक्ला की यह उपलब्धि न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। सचदेवा ने कहा कि उनकी अंतरिक्ष यात्रा भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में सदैव अंकित रहेगी। उन्होंने कहा कि आज इतिहास रच दिया गया है और भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण का भविष्य पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह उपलब्धि भारत के अपने मानव अंतरिक्ष यान मिशन गगनयान की दिशा में एक बड़ा कदम है। शुभांशु शुक्ला के भविष्य के सभी प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करता हूं।

घरेलू नौकर ने रची करोड़ों की चोरी की साजिश, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले के मॉडल टाउन इलाके में एक हाई-प्रोफाइल चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। चोरी में घरेलू नौकर और उसके साथियों ने मिलकर 2.25 करोड़ रुपये से अधिक के कीमती आभूषणों और 15.20 लाख नकद पर हाथ साफ किया था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान विवेक कुमार, बिरेन्द्र यादव और पियूष कुमार के रूप में हुई है। तीनों आरोपितों के कब्जे से 15.20 लाख नकद और 2.25 करोड़ से अधिक के आभूषण बरामद किए है। उत्तर-पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह के अनुसार 27 जून को मॉडल टाउन निवासी शिकायतकर्ता अनीता झुनझुनवाला ने पुलिस को चोरी की शिकायत दी। पीड़िता ने बताया कि उनके घरेलू नौकर अरुण कुमार ने 55 लाख नकद और सोना-चांदी व हीरे के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर मुकदमा दर्ज किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए मॉडल टाउन थाना पुलिस के अलावा जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगली तो पता चला कि अरुण एक अन्य व्यक्ति के साथ बैग और ट्रॉली बैग लेकर घर से निकल रहा है। पुलिस टीम को सूचना तंत्र के माध्यम से जानकारी मिली कि आरोपित बिहार के बांका जिले में छिपे हुए हैं। सूचना को पुख्ता कर दिल्ली पुलिस की टीम ने बिहार में उक्त जिले में छापा मारा और तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया।

दूसरी मंजिल से गिरकर युवक की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले के पुराना मुस्तफाबाद स्थित शब्बीर स्वीट शॉप की दूसरी मंजिल से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। जांच में मृतक की पहचान कल्याण (35) के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक करीब 12:38 बजे पुलिस को सूचना मिली कि पुराना मुस्तफाबाद स्थित शब्बीर स्वीट शॉप के पास एक युवक घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना दयालपुर की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने देखा कि एक युवक सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा है। घायल को तत्काल जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि मृतक उसी मिठाई की दुकान में कार्यरत था। शुरुआती जांच के दौरान पता चला है कि कल्याण दूसरी मंजिल से नीचे गिरा है। क्राइम और एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि यह घटना दुर्घटनावश हुई या इसके पीछे कोई और कारण है।

डॉ. सागर प्रीत हुडा को चंडीगढ़ का नया डीजीपी नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डॉ. सागरप्रीत हुड्डा को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी आदेश में एजीएमयूटी कैडर के 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी डॉ. सागर प्रीत हुड्डा को दिल्ली से स्थानांतरित कर चंडीगढ़ का डीजीपी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। आईपीएस अधिकारी सागर प्रीत हुड्डा इससे पहले दिल्ली में विशेष पुलिस आयुक्त-संचालन (पीसीआर एवं संचार) के पद पर भी कार्यरत थे। हुड्डा दिल्ली पुलिस बल के भीतर खुफिया अभियानों की देखरेख के साथ-साथ मीडिया संबंधों के प्रबंधन का भी काम देख रहे थे।

स्मार्ट कार्ड, आधुनिक बस स्टॉप और नए रूट से दिल्ली को मिलेगी नई परिवहन सुविधा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार डीटीसी का कायाकल्प करने के उद्देश्य से एक व्यापक योजना लेकर आई है। उद्देश्य है कि डीटीसी लाभप्रद, अत्याधुनिक, कार्यकुशल और यात्री सुविधा केन्द्रित हो। इसके लिए डीटीसी बसों के रूट आईआईटी दिल्ली की सहायता से नए सिरे से तय किए जा रहे हैं। जल्द ही मेट्रो, डीटीसी और आरटीएस के लिए एकल स्मार्ट कार्ड भी जारी होगा। महिलाओं और ट्रांसजेंडरों के लिए विशेष पिंक कार्ड योजना शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में दिल्ली की परिवहन व्यवस्था को अत्याधुनिक और जनसुलभ बनाने का खाका तैयार किया गया। बैठक में परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह, मुख्य सचिव धर्मेन्द्र, आयुक्त निहारिका राय सहित अधिकारी शामिल हुए।परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि डीटीसी के बेड़े में 4,800 ईवी बसें और 1,800 सीएनजी बसें हैं। इनमें 'देवी' सेवा

की लोकप्रियता उल्लेखनीय रही है। सभी बस डिपो को ईवी चार्जिंग और मेंटिनेंस सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य डीटीसी को घाटे से निकालकर राजस्व लाभ वाली संस्था बनाना है। रूट रेशनलाइजेशन के साथ नए स्मार्ट शेल्टरों का निर्माण प्राथमिकता है।

योजना के अंतर्गत एकीकृत स्मार्ट कार्ड व्यवस्था लागू की जाएगी, जिसके माध्यम से डीटीसी, मेट्रो और आरटीएस जैसी सेवाओं में एक ही कार्ड से यात्रा संभव होगी। साथ ही महिलाओं और ट्रांसजेंडरों के लिए पिंक कार्ड की भी घोषणा की गई है, जिसके ज़रिए वे डीटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। यह कार्ड बैंकों के माध्यम से वितरित किया जाएगा और इसकी व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी और सुलभ होगी।

बस सेवाओं को अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए आईआईटी दिल्ली के सहयोग से नए रूट तैयार किए जा रहे हैं। ये रूट छोटे इलाकों और मेट्रो स्टेशनों को जोड़ेंगे, जिससे यात्रियों की सुविधा में इज़ाफा होगा। यमुनापार से इस प्रयोग की शुरुआत की जाएगी और फिर इसे पूरे दिल्ली में लागू किया जाएगा।

राजधानी के प्रमुख अंतरराज्यीय बस अड्डों- कश्मीरी गेट, सराय काले खां और आनंद विहार को भी अत्याधुनिक बनाने की योजना है। इन बस अड्डों को एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से युक्त किया जाएगा, ताकि यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और तकनीकी रूप से समृद्ध परिवेश मिल सके। इनमें डिजिटल टिकटिंग, सूचना पैनल और बेहतर प्रतीक्षालय जैसी सुविधाएँ शामिल होंगी। सरकार का लक्ष्य डीटीसी को 60,000 करोड़ रुपये के घाटे से उबार कर लाभकारी और आत्मनिर्भर संस्था बनाना है।

दिल्ली सरकार 'राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस' पर भव्य कार्यक्रम का करेगी आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली की समृद्ध हैंडलूम विरासत को पुनर्जीवित करने और ईको-फ्रेंडली फैशन को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार 06 अगस्त को 'राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस' मनाने के उद्देश्य से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन करेगी। पर्यावरण एवं उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आज इसकी जानकारी दी। 'वस्त्र कथा' नामक यह कार्यक्रम दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड (डीकेवीआईबी) के तहत आयोजित होगा, जिसमें हेरिटेज, सस्टेनेबिलिटी और युवाओं की रचनात्मकता का संगम होगा। कार्यक्रम में जी.आई. टैग वाले कपड़ों की प्रदर्शनी, वैदिक सभ्यता पर आधारित फैशन रैम्प वॉक और स्टूडेंट डिज़ाइन प्रोजेक्ट्स शामिल होंगे। मंत्री सिरसा ने कहा कि हम डीकेवीआईबी में लंबे समय से रुके हुए सुधार ला रहे हैं, ताकि यह बोर्ड इस साल के अंत तक आर्थिक रूप से मजबूत बन सके और 2026 तक एक प्रॉफिटेबल संस्था के रूप में उभरे। सरकार पहले ही 50 करोड़ रुपये की राशि कौशल प्रशिक्षण के लिए आवंटित कर चुकी है, और अब हम 'वस्त्र कथा' जैसे मंचों के माध्यम से कारीगरों को रोज़गार और पहचान दोनों दे रहे हैं। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण होगा – 24 स्टॉल्स की प्रदर्शनी, जिसमें भारत के विभिन्न प्रदेशों से दुर्लभ, जी.आई. टैग वाले हैंडलूम साड़ियां और कपड़े प्रदर्शित किए जाएंगे। इनमें असम की मोंगा सिल्क, तेलंगाना की पोचमपल्ली और गडवाल, तमिलनाडु की कांजीवरम सिल्क, मध्य प्रदेश की चंदेरी और महेश्वरी, केरल की कसावु, गुजरात की पटोला, पश्चिम बंगाल की कांथा और ओडिशा की बुनकाई सिल्क जैसे खास कपड़े शामिल होंगे।

पुलिस ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की ऑपरेशन सेल ने अवैध रूप से भारत में रह रही दो बांग्लादेशी महिलाओं को दिल्ली कैंट इलाके से गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिलाओं की पहचान डोली बेगम (37) और मोरियम अख्तर (28) के रूप में हुई है। दोनों बांग्लादेश की रहने वाली है।

दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल के अनुसार अवैध विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई व अपराधों की रोकथाम के लिए जिले की ऑपरेशन सेल की एक विशेष टीम गठित की गई है। डीसीपी के अनुसार टीम को 14 जुलाई को एक गुप्त सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध विदेशी महिलाएं दिल्ली कैंट क्षेत्र में घूम रही हैं।

सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध महिलाओं से पूछताछ की गई। वे वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकीं और पूछताछ में यह स्वीकार किया कि वे 2023 में बांग्लादेश बॉर्डर और त्रिपुरा राज्य के रास्ते भारत में अवैध

रूप से दाखिल हुई थीं। पूछताछ में उन्होंने बतायक कि वे बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों में हाउसकीपिंग का काम तलाश रही थीं, लेकिन कहीं उपयुक्त रोजगार नहीं मिल सका। पुलिस को दोनों महिलाओं के पास से बांग्लादेश का पहचान पत्र भी मिला है। पुलिस ने दोनों के पकड़े जाने की सूचना विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को दे दी है। इनको डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया है, जल्द ही उनको वापस इनके देश भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग एवं आईएसबीटी के विकास प्रस्तावों पर की समीक्षा बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में परिवहन विभाग और अंतरराज्यीय बस अड्डों (आईएसबीटी) के विकास को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक के दौरान रेखा गुप्ता ने बताया कि राजधानी में सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुगम, सुलभ, सुरक्षित और यात्रियों के अनुकूल बनाने से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि आईएसबीटी परिसरों के आधुनिकरण, यात्रियों की सुविधा को बढ़ाने हेतु एकीकृत स्मार्ट कार्ड प्रणाली लागू करने जैसे प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। रेखा गुप्ता ने बताया कि स्मार्ट कार्ड प्रणाली लागू होने से यात्रियों को बस, मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन के बीच आसान और कैशलेस सफर की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने संबंधित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्री सुविधाओं एवं

सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए और योजना क्रियान्वयन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को प्राथमिकता मिले। बैठक में कैबिनेट मंत्री पंकज सिंह, परिवहन विभाग और दिल्ली ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (डीटीआईडीसी) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अभाविप के कार्यकर्ताओं ने ओडिशा की छात्रा की आत्महत्या पर श्रद्धांजलि अर्पित कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में ओडिशा के फकीर मोहन विश्वविद्यालय की छात्रा एवं अभाविप की सक्रिय कार्यकर्ता सौम्याश्री बिश्री की आत्महत्या के विरोध में प्रदर्शन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की एवं इस मामले की त्वरित न्यायिक जांच एवं दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल ने कहा कि सौम्याश्री केवल एक छात्रा नहीं बल्कि पूरे छात्र समाज की आवाज थी। आज जब एक युवा छात्रा को मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के कारण आत्मदाह करना पड़ता है तो यह समूचे शैक्षणिक ढांचे के लिए आत्ममंथन का समय है। उन्होंने कहा कि यह घटना दर्शाती है कि किस प्रकार की तानाशाही और संवेदनहीनता आज हमारे शिक्षण संस्थानों में घर कर गई है।

अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि हमने एक साहसी और प्रतिबद्ध कार्यकर्ता को खो दिया है। जिसने शैक्षणिक दमन

के खिलाफ अपनी जान दे दी। सौम्याश्री का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। अभाविप राज्य सरकार से माँग करता है कि विभागाध्यक्ष समीर साहू को तत्काल निलंबित कर इस मामले में न्यायिक जांच की जाए और दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि सौम्याश्री बिश्री ने कॉलेज की विभागाध्यक्ष समीर साहू द्वारा लगातार मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना से पीड़ित होकर 12 जुलाई को आत्मदाह किया। जिसके कारण 14 जुलाई को उनका निधन हो गया। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल दुखद है बल्कि यह एक शिक्षण संस्थान में व्याप्त अन्याय एवं असंवेदनशीलता को उजागर करती है। अभाविप ने इस घटना पर कॉलेज प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर समय रहते प्रशासन ने संज्ञान लिया होता और सौम्याश्री की पीड़ा को समझा होता, तो आज एक होनहार छात्रा जीवन से हार न मानती। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और मोमबत्तियां जलाकर मृतका सौम्याश्री बिश्री को श्रद्धांजलि अर्पित की।

ठगी के मामले में दो वर्षों से वांछित आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहिणी जिले की साइबर पुलिस ने एक दो साल पुराने साइबर ठगी के मामले का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान झुंझुनूं, राजस्थान रोहित (28) के रूप में हुई है। आरोपित खुद को ट्रांसपोर्ट कंपनी का मालिक बताकर लोगों से धोखाधड़ी करता था। आरोपित जस्ट डायल पर अपना प्रोफाइल बना कर फर्जी ट्रांसपोर्ट सेवा का विज्ञापन देता था, फिर इच्छुक ग्राहकों से ट्रांसपोर्ट चार्ज के नाम पर पैसे ठगता था। रोहिणी जिले के डीसीपी राजीव रंजन के अनुसार कुछ समय पहले शिकायतकर्ता ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि उसने जस्ट डायल पर एक ट्रांसपोर्ट सेवा की प्रोफाइल देखी। उस पर दिए गए नंबर पर कॉल करने के बाद आरोपित ने खुद को ट्रांसपोर्ट कंपनी का मालिक बताया और रोहिणी से गुवाहाटी, असम तक मशीन डिलीवरी की सेवा देने की बात कही। विश्वास जीतने के लिए आरोपित ने असली ट्रांसपोर्ट कंपनियों से कोटेशन व गाड़ी के नंबर व तस्वीरें मंगवाई और वही ग्राहक को भेजीं। उसके 10,000 का भुगतान लिया। एक पोर्टर वाहन भी भेजा, जिसने सामान तो उठाया लेकिन जब सामान गुरुग्राम की असली लॉजिस्टिक कंपनी पहुंचा तो पाया गया कि कोई बुकिंग नहीं हुई थी। ड्राइवर को भी कोई भुगतान नहीं किया गया था। इस पर शिकायतकर्ता ने मामला दर्ज कराया। डीसीपी के अनुसार इस मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया।

बायोस्टिमुलेंट के मामले में कोई अनुमति देते वक्त किसानों की स्थिति का भी रखें ध्यानः शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बायोस्टिमुलेंट की बिक्री को लेकर एक बैठक में अधिकारियों को पारदर्शी तरीके से काम करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बायोस्टिमुलेंट के मामले में अधिकारियों को हिदायत दी कि वे कोई भी अनुमति देते समय किसानों की स्थिति को ध्यान में रखें।

चौहान ने कृषि भवन में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में कहा कि हम देश के छोटे किसानों के साथ किसी भी हालत में अन्याय नहीं होने देंगे। कुछ बेईमान गड़बड़ियां कर रहे हैं, जिनसे किसानों को बचाना मेरी जिम्मेदारी है। भोले-भाले किसानों से शिकायतें मिलने के बाद चुप नहीं बैठा जा सकता, किसान सर्वोपरि हैं। देश का कृषि मंत्री होने के नाते उनकी जवाबदेही है कि इस संबंध में कार्रवाई हो। उन्होंने अनेक गंभीर सवाल उठाते हुए बैठक में अधिकारियों से कहा कि देश में बायोस्टिमुलेंट कई सालों से बिक रहा है और एक-एक साल करके इसकी बिक्री की अनुमति की अवधि बढ़ाई जाती रही है, लेकिन फील्ड से कई बार शिकायतें आती हैं कि इससे कोई

फायदा नहीं है फिर भी ये बिक रहा है। चौहान ने कहा कि इसकी पूरी समीक्षा करना आवश्यक है कि इससे कितना फायदा किसानों को हो रहा है, यदि नहीं तो बेचने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। बिना अर्थ के हजारों कंपनियां इसकी बिक्री करने में लग गईं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बायोस्टिमुलेंट के इतिहास, आज की स्थिति, पंजीकृत उत्पादों की संख्या, बाजार में इसकी बिक्री को नियंत्रित करने के उपाय, सेम्पलिंग या टेस्टिंग की व्यवस्था है या नहीं, असली-नकली की पहचान के तरीके और गड़बड़ होने की स्थिति में कार्रवाई के लिए प्रावधान की पूरी जानकारी दें। चौहान ने कहा कि किसानों के भरोसे के लिए बायोस्टिमुलेंट का आईसीएआर से परीक्षण भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसान हमारे लिए सर्वोपरि हैं, इसलिए यह देखा जाए कि किसानों के लिए ये तकनीकी रूप से कितने उपयोगी हैं। उन्होंने अधिकारियों के प्रति इस बात के लिए काफी नाराजगी व्यक्त की कि कुछ सालों तक 30 हजार बायोस्टिमुलेंट उत्पाद बिकते रहे और अधिकारियों द्वारा इसपर आपत्ति नहीं जताई गई।

जेल में कैदी ने की खुदकुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल के अस्पताल में एक कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जेल के प्रवक्ता अरविंद कुमार के अनुसार मृतक की पहचान रमेश कर्मकार के रूप में हुई है। मृतक रमेश कर्मकार ने जेल अस्पताल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना दिनांक 13 जुलाई की रात को सामने आई जब रमेश का शव जेल नंबर-3 के अस्पताल में खिड़की से लटका हुआ मिला। जेल के प्रवक्ता के अनुसार कैदी रमेश कर्मकार को 28 जून से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते तिहाड़ जेल के ही नंबर-3 के अस्पताल में भर्ती किया गया था। शनिवार रात को वह अपने वार्ड में अकेला था। इसी दौरान उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सुबह 14 जुलाई को जब जेल स्टाफ ने नियमित निरीक्षण किया, तब घटना का पता चला। तुरंत ही वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया और पुलिस को बुलाया गया। जेल सूत्रों के अनुसार रमेश कर्मकार हत्या के मामले में जेल में बंद था। फिलहाल हरि नगर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार सूचना मिलने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस इसे हर एंगल से जांच रही है। पुलिस यह पता

लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या रमेश कर्मकार किसी मानसिक दबाव में था या उसके साथ जेल में किसी प्रकार का दुर्व्यवहार हुआ था जिसने उसे यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। फिलहाल पुलिस जेल में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में भारी बारिश, आंधी-तूफान का अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली सहित देश के कई इलाकों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। इस दौरान आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में उमस और गर्मी से लोगों को परेशान होना पड़ सकता है। आईएमडी के अनुसार आज शाम से रात तक छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है, जबकि कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की भी संभावना है। वहीं बिहार, असम, मेघालय, झारखंड, पश्चिम बंगाल के मैदानी क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और ओडिशा में भी कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश के आसार हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, केरल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, तमिलनाडु, पुडुचेरी और सिक्किम जैसे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में भी भारी बारिश की संभावना है।

कुछ क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान की चेतावनी भी जारी की गयी है। खासतौर पर बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और

लद्दाख के कई हिस्सों में बिजली गिरने के साथ-साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, विदर्भ और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान है। अंडमान-निकोबार, ओडिशा, बंगाल, आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक के कुछ इलाकों में तेज सतही हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में उमस और गर्मी से लोगों को परेशान होना पड़ सकता है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के कई इलाकों में 40 से 65 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। खासकर गुजरात, कोंकण, गोवा, लक्षद्वीप, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के समुद्री तटों पर मछुआरों और समुद्री यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने समुद्री गतिविधियों से जुड़े लोगों को जरूरी एहतियात बरतने को कहा है।

रेखा गुप्ता ने मैराथन धावक सरदार फौजा सिंह के निधन पर जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विश्व के सबसे उम्रदराज मैराथन 114 वर्षीय धावक सरदार फौजा सिंह के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और उनके असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं।रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि विश्व के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक सरदार फौजा सिंह के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। अपनी विलक्षण जीवटता, अनुशासन और अद्वितीय ऊर्जा से उन्होंने न केवल खेल जगत को गौरवान्वित किया बल्कि फिटनेस और आत्मबल के प्रतीक बनकर युवाओं को भी प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि सदी पार कर चुका एक ऐसा धावक जिसने साबित किया कि आयु नहीं संकल्प मायने

रखता है। गुप्ता ने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों व असंख्य प्रशंसकों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।उल्लेखनीय है कि विश्व प्रसिद्ध मैराथन धावक फौजा सिंह का सोमवार को पंजाब के जालंधर जिले में सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। वह 114 वर्ष के थे और अपने पैतृक गांव ब्यास में टहलने निकले थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें जालंधर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां शाम को उनकी मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना की जानकारी जालंधर पुलिस और उनके जीवन पर पुस्तक 'द टर्बन्ड टॉरनेडो' लिखने वाले लेखक खुशवंत सिंह ने दी है।

संपादक की कलम से

लाडली बहनों का बोझ!

राज्य के एक मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना सरकार पर ह्यबोझह्ल बन गई है। विधानसभा चुनाव से पहले, मौजूदा हुक्मरानों ने ह्यलाडली बहनह्ल योजना का खूब ढिंढोरा पीटा था। इससे उन्हें चुनावों में राजनीतिक लाभ भी हुआ। हालांकि, उसी समय चेतावनियां दी गई थीं कि यह योजना राज्य की वित्तीय स्थिति को बिगाड़ देगी और इसे लागू करते समय सरकार की नाक में दम आ जाएगा। वे हु-ब-हू सच साबित हुईं। जब अर्थशास्त्रियों और विपक्ष ने ये चेतावनियां दी थीं, तब सत्ताधारियों ने उन्हें राज्य के समूचे भगिनी वर्ग का दुश्मन ठहरा दिया था, लेकिन इस योजना के लिए धन का प्रावधान अब खुद सत्ताधारियों के लिए सिरदर्द बन गया है। एक ओर लाडली बहनों को १,५०० रुपए प्रति माह सुनिश्चित करने के लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए का प्रावधान करना पड़ता है और ऐसा करने के लिए अन्य विभागों से धन में कटौती करनी पड़ती है। यह ह्यकवायदह्ल और ह्यसर्कसह्ल सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही चल रहा है। सत्ता में आने के बाद होश में आए हुक्मरानों ने इस योजना की गहन जांच की। नए नए नियमों और मानदंडों का हौवा खड़ा किया गया। नतीजा यह हुआ कि चुनाव से पहले ह्यलाडलीह्ल रहीं कई बहनें सरकार बनने के बाद अयोग्य घोषित कर दी

गईं और भी कई तरह के हथकंडे अपनाए गए। फिर भी इस योजना के लिए धन जुटाने की सरकार की सिरदर्दी कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है और उस पर पहले दबी आवाज में शिकायत करनेवाले मंत्री अब सार्वजनिक रूप से शिकायतें करने लगे हैं। वे अब सार्वजनिक रूप से सरकारी खजाने पर दबाव का आरोप लगा रहे हैं। यह शिकायत करनेवाले दत्तात्रेय भरणे और उनके सुर में सुर मिलानेवाले भुजबल, दोनों ही उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार के ही गुट से हैं। हालांकि, अजीतदादा ने ह्यहम पूछेंगे और देखेंगेह्ल वाला गोल-मोल बयान दिया है, लेकिन सरकार की पोल खुल गई है। अजीतदादा ने खुद एक बार स्वीकार किया था कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना में गलती हुई है, लेकिन चूंकि यह ह्यगलतीह्ल हर महीने करनी पड़ती है इसलिए राज्य और विभिन्न विभागों का वित्तीय गणित गड़बड़ाने लगा है। हालांकि, यह सच है कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना राज्य की बहनों के लिए फायदेमंद रही है, लेकिन यह सरकार के लिए ह्यगले की हड्डीह्ल बन गई है। राजनेता मंडली चाहे जितना भी इनकार करें, सच यही है। यही सच

नाराजगी के रूप में

मंत्रियों के मुंह से सार्वजनिक रूप से निकलने लगा है और सरकार के मुंह पर वार कर रही है। लाडली बहनों को हर महीने १,५०० रुपए मिलने चाहिए, उसके लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए अलग से रखे जाने चाहिए और इसलिए उसके लिए कुछ अन्य महकमों के फंड पर वैंष्ठची चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। कभी वे सामाजिक न्याय विभाग के फंड को डायवर्ट करते हैं, कभी वारकरी दिंडी के फंड पर वैंष्ठची चलाते हैं, किसान कर्ज माफी को लेकर हाथ खड़े कर देते हैं और फिर एक रुपए में फसल बीमा योजना ही बंद कर देते हैं, ये सब चालें सत्ताधारी दल कर रहा है। इससे मौजूदा सरकार के दिवालिया प्रशासन का वस्त्र हरण हो रहा है। लाडली बहनों को दी जानेवाली सब्सिडी का जुगाड़ सरकार के लिए माथापच्ची बन गया है और इससे दूसरे विभागों को फंड डायवर्ट करना मंत्रियों के लिए सिरदर्द बन गया है। अजीतदादा के समूह से संबंधित मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से इस बारे में बात की है। अजीतदादा भरणे के दर्द के लिए कौन-सी ह्यगोलीह्ल देकर शांत करते हैं यह तो पता चलेगा ही, लेकिन बहनों की ह्यलाडलीह्ल रही यह योजना सरकार के मंत्रियों के लिए ह्यगले की हड्डीह्ल जरूर बनती जा रही है। उन लोगों के बारे में क्या कहें जो अपनी ही ऐसी स्थिति बना लेते हैं कि पकड़ो तो डस लेते हैं और छूट गए तो भाग जाते हैं, लेकिन इस बात का क्या हल है कि इससे राज्य का वित्तीय अनुशासन प्रभावित हो रहा है?

कुछ लोगों को एक्सरसाइज के बाद सिरदर्द क्यों होता है? जानिए इसके कारण और आसान इलाज

अगर आपको कभी-कभार एक्सरसाइज के बाद सिरदर्द होता है, तो चिंता की बात नहीं. थोड़ा ध्यान देने से इसे आसानी से रोका जा सकता है. लेकिन अगर सिरदर्द बार-बार या बहुत तेज होता है, चक्कर या धुंधलापन भी महसूस हो, तो ये किसी मेडिकल कंडीशन का संकेत हो सकता है. ऐसे में किसी न्यूरोलॉजिस्ट या जनरल फिजिशियन से संपर्क करें. याद रखें, फिटनेस का मतलब दर्द नहीं, बल्कि ऊर्जा और संतुलन होना चाहिए.

कई बार लोग जिम या वर्कआउट करने के बाद जबरदस्त सिरदर्द (ल्र्ीं) की शिकायत करते हैं. ऐसा लगता है जैसे एक्सरसाइज से राहत मिलने की बजाय शरीर और ज्यादा थक गया हो. ये सिरदर्द मामूली भी हो सकता है और कई बार तेज या धड़कता हुआ भी. सवाल ये है कि आखिर एक्सरसाइज के बाद सिर में दर्द क्यों होता है? क्या ये सामान्य है या किसी गंभीर संकेत का इशारा? आइए जानते हैं इसके पीछे की वजहें और इससे राहत पाने के तरीके.

1- डिहाइड्रेशन शरीर में पानी की कमी

दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में मेडिसिन विभाग में डॉ पुनीत कुमार बताते हैं किवर्कआउट करते समय पसीने के जरिए शरीर से काफी सारा पानी निकलता है. अगर आप पर्याप्त पानी नहीं पीते तो इससे डिहाइड्रेशन हो सकता है. जो सिरदर्द की बड़ी वजह है. शरीर में जब तरल की कमी होती है तो ब्रेन टिशू सिकुड़ते हैं और इससे सिर में दर्द महसूस होता है.

बचाव का तरीका- एक्सरसाइज से पहले और बाद में 1-2 ग्लास पानी जरूर पिएं. लंबे वर्कआउट के दौरान इलेक्ट्रोलाइट्स वाले ड्रिंक लें.

2- ब्लड शुगर लेवल गिरना

अगर आपने खाली पेट वर्कआउट किया या बहुत देर तक कुछ नहीं खाया, तो आपकी ब्लड शुगर लेवल गिर सकती है, जिससे कमजोरी, चक्कर और सिरदर्द हो सकता है.

बचाव का तरीका- एक्सरसाइज से 30-45 मिनट पहले हल्का नाश्ता करें जैसे- केला, ओट्स या सूखे मेवे. शुगर से भरपूर चीजों से बचें, बैलेंस्ड डाइट लें.

3- गलत पोस्चर या टेंशन हेडेक

अगर आप वर्कआउट के दौरान गलत मुद्रा (ढङ्क२३४१ी) में एक्सरसाइज करते हैं, जैसे गर्दन या पीठ की गलत स्थिति, तो मांसपेशियों पर ज्यादा तनाव पड़ता है और ये सिरदर्द की वजह बनता है.

बचाव का तरीका- एक्सरसाइज करते समय सही फॉर्म में रहें. स्ट्रेचिंग और वार्मअप को कभी न छोड़ें. गर्दन को झटका देने वाली हरकतों से बचें.

4- ओवरएक्सर्शन या अत्यधिक थकावट

कभी-कभी बहुत ज्यादा या अचानक एक्सरसाइज करने से शरीर पर तनाव बढ़ जाता है, जिससे एक्सर्शनल हेडेक होता है.

स्वास्थ्य बनाम स्वाद: समोसा और जलेबी से सावधान!

-ललित गर्ग-

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में जहां हर नुक्कड़ पर समोसे की महक और जलेबी की मिठास लोगों को आकर्षित करती है, वहीं यह स्वादिष्ट व्यंजन अब स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बनते जा रहे हैं। हमारी परंपराओं और खानपान में गहराई से जुड़े समोसा, कचोरी और जलेबी जैसे तली-भुनी और अत्यधिक मीठी चीजें अब मोटापा, मधुमेह, ह्रदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण बन गई हैं। इन्हीं कारणों से देशभर में एक जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए जनजागृति अभियान शुरू हुआ है। तले हुए व्यंजनों के उपभोग को कम करने की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय एवं बढ़ती स्वास्थ्य चिन्ताओं को देखते हुए क्रांति का शंखनाद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया अभियान के तहत तेल और चीनी का उपभोग कम करने का आह्वान किया था। केन्द्र सरकार की सक्रियता से जैसे सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी होती है, ठीक वैसी ही चेतावनी इन तैलीय और मीठे खाद्य पदार्थों के बारे में जारी होगी। बड़े पैमाने पर इस बात का प्रचार रेडियो एवं अन्य टीवी चैनलों के माध्यमों से किया जा रहा है कि तैलीय या जरूरत से ज्यादा मीठे खाद्य पदार्थों के उपभोग से दूर रहा जाए।

मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिन्ताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और ह्रदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं। भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला-भुना भोजन है। दुनिया में मोटापे के मामले में भारत दूसरे नम्बर पर है। डब्लूएचओ के अनुसार, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 2045 तक 13.4 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो दुनिया में सबसे अधिक होगी। बच्चों में बढ़ती मोटापे की दर का एक बड़ा कारण स्कूलों के आसपास मिलने वाले समोसा, कचोरी, बर्गर जैसी चीजें हैं। समोसा और कचोरी जैसी चीजों को बार-बार एक ही तेल में तला जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और कैंसरकारी तत्व (ऐक्रिलामाइड) पनपने लगते हैं। ये ह्रदय की धमनियों को सख्त कर देते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। जलेबी को चीनी के गाढ़े सिरप-चासनी में डुबोया जाता है, जिससे शरीर में तुरंत ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह स्थिति इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज और फैटी लिवर जैसी बीमारियों को न्योता देती है। समोसा और कचोरी में मैदा का अत्यधिक उपयोग होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे गैस, कब्ज, अम्लपित्त और मोटापा जैसे विकार उत्पन्न होते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय-समय पर देशवासियों को न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रेरित किया है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का भी आह्वान किया है। हाल ही में उन्होंने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देशवासियों से खाद्य पदार्थों में तेल की मात्रा कम करने और मोटापे जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचने की अपील की है। मोदी ने इस बढ़ती स्वास्थ्य समस्या पर चिंतन करते हुए कहा हमें अपने खान-पान में बदलाव करना होगा। कम तेल, कम नमक और कम चीनी-यही स्वास्थ्य की कुंजी है।ह्ल मोदी का आह्वान -तेल कम करें, जीवन स्वस्थ बनाएं है। क्योंकि अति तेल में तंदुरुस्ती नहीं, बीमारी का प्रवेश द्वार है। ध्यान रहे, देश में मोटापा बढ़ रहा है और इसके खिलाफ जागरूकता भी बढ़ रही है। यह भी कहा गया है कि लोग अपने भोजन में तेल को कम करके विकसित भारत बनाने में सहायक हो सकते हैं। इसी कड़ी में समोसे, जलेबी और स्वास्थ्य के लिए घातक व्यंजनों को अगर आधिकारिक रूप से निशाने पर लिया गया है, तो अचरज की बात नहीं, बल्कि वक्त की बड़ी जरूरत है।

भारत में रसोई का अभिन्न हिस्सा है तेल। परंतु आज जिस प्रकार से हर व्यंजन में अत्यधिक तेल का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, इससे मोटापा भारत की बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गयी है, उसने अन्य अनेक बीमारियों को प्रोत्साहन देते हुए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे दिया है। तले-भुने खाद्य पदार्थ जैसे समोसा, कचोरी, पकौड़ी, पूड़ी, जलेबी, फास्ट फूड, आदि मोटापा, ह्रदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण बनते जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को कैफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ तौर पर ह्यतेल और चीनी के चेतावनी बोर्डह्ल लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर खासे लोकप्रिय खाद्य पदार्थों में वसा और चीनी की मात्रा को उजागर करेंगे। तले हुए और चीनी से भरपूर खाद्य पदार्थों को हतोत्साहित करने का समय आ गया है। इसकी शुरूआत अस्पतालों में चल रहे लापरवाह रेस्तरां से होनी चाहिए। तमाम रेस्तरां और मिष्ठान भंडारों पर इस चेतावनी को लटकाना आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि लोग समोसा या जलेबी खाना छोड़ देंगे, पर उनमें सजगता आएगी। ह्रदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेड़ पिछले तीन दशकों से ह्यजीरो ऑयलह्ल की खानपान पद्धति के माध्यम से ह्रदय रोगियों का प्रभावी इलाज कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के सूत्र प्रस्तुत करते हुए जनता से आह्वान किया है कि तेल का सीमित उपयोग करते हुए पकवानों को तलने के बजाय भूनें, उबालें या भाप में पकाएं। शारीरिक गतिविधि बढ़ाने के लिये रोजाना योग, प्राणायाम, टहलना या व्यायाम करें। घर में जंक फूड बंद करें, बच्चों को ताजे फल, सूखे मेवे, अंकुरित अनाज दें। रोगों से नहीं, आदतों से लड़ें। खानपान में नियंत्रण सबसे बड़ा उपचार है। अतः बचाव के उपाय जरूरी हैं। पिछले दिनों, हर व्यक्ति से अपने भोजन में तेल की खपत को दस प्रतिशत तक कम करने की अपील की गई है। कुछ लोग अवश्य सुधार की ओर बढ़े होंगे और अब जब समोसे, जलेबी जैसे खाद्य पदार्थों पर चेतावनी रहेगी, तो खानपान में सुधार की गति को और बल मिलेगा। मोदीजी के नेतृत्व में शुरू हुआ ह्यफिट इंडिया मूवमेंटह्ल सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का संदेश है। यह देश को बीमारियों के बोझ से मुक्त करने की दिशा में उठाया गया क्रांतिकारी कदम है। इस आंदोलन में लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि स्वस्थ व्यक्ति ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है।

फिट इंडिया अभियान में ज्यादा ईमानदारी की जरूरत है और साथ ही, शुद्ध भोजन के लिए जिम्मेदार सरकारी महकमों को ईमानदारी से ज्यादा सचेत एवं सावधान होना पड़ेगा। आज अनेक प्रकार के विदेशी व्यंजन भी बाजारों में उपलब्ध हैं, इनमें से ज्यादातर व्यंजनों में मैदा, तेल, कृत्रिम रंग और रसायन का खतरनाक उपयोग हो रहा है। ऐसा कतई नहीं लगना चाहिए कि केवल भारतीय व्यंजनों को निशाना बनाया जा रहा है। दूसरी अहम बात, खाने और बनाने वालों, दोनों को जागना होगा। अनेक हलवाइयों की दुकानों पर एक ही तेल का बार-बार प्रयोग, खराब या गलत सामग्रियों का इस्तेमाल तत्काल रुकना चाहिए।

आज जरूरत है कि हम सिर्फ स्वाद के गुलाम न बनें, बल्कि अपने शरीर की सुनें। एक जिम्मेदार समाज वही है जो अगली पीढ़ी को स्वाद के नाम पर बीमारियां नहीं, स्वस्थ आदतें सौंपे। एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जो स्वाद के पीछे स्वास्थ्य को त्याग रही है। यह चेतावनी नहीं, चेतना का संदेश है कि यदि अब भी नहीं सुधरे, तो आने वाली पीढ़ियाँ बीमारियों से जूझती रहेंगी। तो आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि तेल कम करेंगे, चलना बढ़ाएंगे, जीवन को लंबा और स्वस्थ बनाएंगे! विशेषतः व्यापारियों, रेस्टोरेंट मालिकों एवं हलवाइयों के लिये सरकार को कड़े प्रावधान बनाने होंगे। पैसा कमाने के चक्कर में देश के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को खुला नहीं गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले महकमों और अधिकारियों को युद्ध स्तर पर सक्रिय होना पड़ेगा, तभी हम फिट इंडिया के ख्वाब को साकार कर पाएंगे।

भाजपा का शिक्षा विरोधी फैसला

देश के कई विद्यालयों में सुबह की प्रार्थना सभा में सुविचार प्रस्तुत करने की परंपरा है, विद्यालयों के श्यामपट (ब्लैकबोर्ड) पर भी सुविचार लिखे होते हैं। जिनके जरिए बच्चों में नैतिक मूल्य विकसित करने की कोशिश रहती है। कई सुविचार शिक्षा के महत्व पर केन्द्रित होते हैं, जिनमें नागरिक और देश के भविष्य को संवारने की बात बताई जाती है। हमें नहीं पता कि भाजपा के कितने नेता ऐसी स्कूलों में पढ़े हैं या शिक्षा संबंधी सुविचारों पर उनकी क्या राय है। लेकिन इतना तय है कि भाजपा भारतीय परंपरा और संस्कृति की मुरीद है। इस परंपरा में धर्म की बातें तो हैं, लेकिन वे भी कहीं न कहीं शिक्षा से जुड़ी हुई हैं। कोई धर्म यह सीख नहीं देता कि बच्चों को शिक्षा से वंचित रखो। बेशक जाति आधारित समाज बनने के बाद निचली जातियों और स्त्रियों को वेद-पुराणों की शिक्षा न देने का नियम बताया गया, लेकिन यह भारतीय संस्कृति का केवल एक हिस्सा है। इससे कहीं बड़े हिस्से में ऋ षियों के गुरुकुल, शास्त्रार्थ, पठन-पाठन, नए अनुसंधान, शोध, वैचारिक क्रांति के प्रसंग भरे पड़े हैं। अह्लरङ्म फीर्ं - बिहार तो बस झांकी है, पूरा देश बाकी है! भारत में ज्ञान की परंपरा सदियों से बनी रही और अंग्रेजों ने भी यह महसूस किया कि अगर भारत को पूरी तरह गुलाम बनाना है तो सबसे पहले उन जड़ों को काटना होगा, जिनके कारण भारत में ज्ञान की विभिन्न शाखाओं से भरे-पूरे वृक्ष खड़े हैं। अंग्रेज इस मकसद में कामयाब हुए, तो उन्हें दो सदी तक इस देश पर शासन करने में आसानी हुई। हालांकि इस गुलामी से छुटकारे के लिए जो कोशिशें 1857 की क्रांति के बाद शुरू हुईं, उसमें उन लोगों ने ही खास तौर पर नेतृत्व किया, जिन्होंने आधुनिक शिक्षा से खुद को लैस किया। गांधी, अंबेडकर, नेहरू, नेताजी, मौलाना आजाद न जाने कितने नाम यहां गिनाए जा सकते हैं। पाठक भी भारत की इस ज्ञान परंपरा से परिचित हैं। लेकिन आज इसे दोहराने की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि अब भाजपा की सोच और उसकी नीयत क्या है, इस पर संदेह उठ रहा है। अह्लरङ्म फीर्ं - किसको लाभ देगा गहन मतदाता सर्वे एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर साल परीक्षा पर चर्चा का आयोजन कर विद्यार्थियों को परीक्षा के युद्ध में वीरता से मुकाबला करने के ज्ञान देते हैं। 21वीं सदी में भारत को आगे ले जाने में उनकी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कितने क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, इसके दावे होते हैं। सरकार नयी शिक्षा नीति ले आई है और मानव संसाधन मंत्रालय का नाम बदलकर शिक्षा मंत्रालय किया जा चुका है। हालांकि व्यक्तिगत तौर पर नरेन्द्र मोदी की शिक्षा को लेकर जो संदेह बना है, वह अब भी दूर नहीं हुआ है। किसी साक्षात्कार में श्री मोदी ने खुद कहा कि उन्होंने ज्यादा पढ़ाई-लिखाई नहीं की, और दूसरी तरफ एंटायर पॉलिटिकल साइंस में स्नातकोत्तर डिग्री भी वे दिखाते हैं, जिसमें उनके अलावा कोई दूसरा डिग्रीधारी आज तक नहीं मिला है। मुमकिन है कि अकेले श्री मोदी के लिए गुजरात विश्वविद्यालय ने ऐसा कोई पाठ्यक्रम तैयार किया हो। लेकिन जो काम तब हो सकता था, वह अब क्यों नहीं हो सकता, यह सोचने वाली बात है। अह्लरङ्म फीर्ं - ललित सुरजन की कलम से - सिद्धांत बनाम पद दरअसल उत्तरप्रदेश में योगी सरकार ने फैसला लिया है कि जिन सरकारी प्राथमिक स्कूलों में 70 या उससे कम बच्चे हैं, उन्हें बंद कर दिया जाए। इस फैसले के बाद कम से कम 5 हजार स्कूलों के विलय का रास्ता खुल गया। इस तरह सरकार को शिक्षकों की नियुक्ति, शिक्षा मित्र, और मध्याह्न भोजन के लिए रसोइए समेत कई और नौकरियों के पद खत्म करने का मौका भी मिल गया। जिन स्कूलों का विलय होगा, उनकी जमीन भी अन्य कार्यों के लिए उपलब्ध हो जाएगी। इसमें सरकार को कई तरह से फायदा होगा। लेकिन लाखों बच्चों का भविष्य अधर में लटक चुका है। ये बच्चे या तो अब निजी स्कूलों में दाखिला लेने पर मजबूर रहेंगे या फिर पढ़ाई छोड़ेंगे। अह्लरङ्म फीर्ं - समोसे-जलेबी पर सरकारी फरमान योगी सरकार के 16 जून 2025 के इस फैसले के खिलाफ सीतापुर और पीलीभीत के 51 छात्रों ने हाईकोर्ट में गुहार लगाई थी। लेकिन पिछले हफ्ते सात जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को राहत देते हुए पांच हजार स्कूलों के विलय के फैसले को हरी झंडी दिखा दी थी। योगी सरकार की अधिसूचना के मुताबिक राज्य के दूरदराज में स्थित जिन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में 70 या इससे कम छात्र हों उनका आसपास के अन्य विद्यालयों में विलय कर दिया गया। हाईकोर्ट मे भी योगी सरकार के पक्ष में फैसला दिया तो अब सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले के खिलाफ याचिका दायर की गई है। इस जनहित याचिका में कहा गया कि सरकार के इस कदम से राज्य में 3 लाख 50 हजार से ज्यादा छात्रों को निजी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। याचिका के मुताबिक सरकार अब विलीन होने वाले विद्यालयों के छात्रों को एकीकृत विद्यालय में दाखिला लेने का दबाव भी बना रही है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की तो सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई का भरोसा देते हुए कहा कि हालांकि यह सरकार का नीतिगत मामला है।

अब किसे इस्तीफा देना चाहिए?

जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वीकारा कि पहलगाम हमला सरकार की सुरक्षा व्यवस्था में एक चूक थी। पहलगाम हमले को तीन महीने हो चुके हैं। आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किए गए हमले में २६ लोगों ने जान गंवाई। आतंकवादियों ने महिला पर्यटकों पर गोली नहीं चलाई थी। उन्होंने पुरुषों को मारा। उन्होंने धर्म पूछकर मार डाला। कुरान की आयतें सुनाने को कहा। जो नहीं सुना पाए उन्हें गोली मार दी गई, यह कहानी बाद में भाजपा भक्तों द्वारा फैलाई गई। पहलगाम हमले के निमित्त हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तनाव बढ़ाने की कोशिश की गई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। पहलगाम हमले के बाद स्थानीय लोगों ने वहां सभी पर्यटकों और घायलों की मदद करने में उदारता दिखाई। उन्होंने हर तरह की मदद की। खुद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आंसुओं का सैलाब फूट पड़ा, लेकिन इतना भयंकर यह सब कैसे हुआ? सरकार अब तक इस पर मुंह सिले बैठी थी। जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सिन्हा ने अब हमले के पीछे की सच्चाई उजागर की है, जो यह है कि सरकार की ओर से पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था नजरअंदाज हुई। सुरक्षा व्यवस्था में खामियों की वजह से ही आतंकवादी पर्यटनस्थल तक पहुंच पाए और हमला हुआ। राज्यपाल का यह सच चौंकानेवाला है और देश के गृह मंत्रालय की इज्जत चौराहे पर टंग गई। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा छीन लिया इसलिए जम्मू-कश्मीर अब एक

केंद्रशासित प्रदेश है जिसकी वजह से इस बेहद संवेदनशील राज्य की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र सरकार ही, यानी गृह मंत्रालय पर है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकीसरकार के पंख कतर कर

सर्वाधिकार राज्यपाल मनोज सिन्हा को दिया गया था। राज्यपाल के जरिए ही गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर राज्य का शासन चलाते हैं इसलिए पहलगाम में हुए हमले और २६ निर्दोष हत्याओं की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह पर ही है। राज्यपाल सिन्हा ने भी यही कहा। गृह मंत्री शाह इस नरसंहार के लिए जिम्मेदार हैं ही, लेकिन इससे भी गंभीर बात यह है कि गृह मंत्रालय अभी तक हत्या करनेवाले ह्यआरोपियोंह्ल को पकड़ नहीं पाया है। २६ लोगों की हत्या करनेवाले हत्यारे अभी भी ह्यफरारह्ल हैं। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा को अब एक मिनट भी अपने पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। वे २६ लोगों की हत्या के जिम्मेदार तो हैं ही, और वे हत्या के आरोपियों को भी नहीं पकड़ पाए हैं। इस महान बहादुरी के लिए क्या शाह और सिन्हा की पूजा की जानी चाहिए? या उन्हें वीरता पदक से सम्मानित किया जाना चाहिए? चूंकि राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वयं स्पष्ट किया है कि पहलगाम हमला एक सुरक्षा चूक थी इसलिए शासकों को प्रायश्चित करना ही होगा और खुले तौर पर गृह मंत्री का इस्तीफा मांगना होगा। यह पूरा मामला गैर इरादतन हत्या का ही मामला है। ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के नाम पर राजनीति करनेवालों को इस पर ध्यान देना चाहिए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह व्यापारिक मानसिकता वाले लापरवाह राजनेता हैं। यह लापरवाही मणिपुर से लेकर कश्मीर तक हर रोज दिखाई देती है। पहलगाम में भी सुरक्षा को लेकर वैसी ही लापरवाही देखने को मिली जैसी २०१९ में पुलवामा हमले में ४० भारतीय जवानों के शहीद होने पर दिखी थी। १४ फरवरी २०१९ को पुलवामा में हुए आत्मघाती हमले में

जवान शहीद

हुए थे। केंद्रीय सुरक्षा बल के जवानों को श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के अवंतीपोरा के पास लेथापोरा में वाहन द्वारा ले जाया जा रहा था। ७८ वाहन और २,५०० से अधिक जवान थे। ३०० किलो आरडीएक्स विस्फोटक से लदी एक स्कॉर्पियो गाड़ी ने जवानों के वाहनों पर आत्मघाती हमला किया और ४० जवानों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इससे पूरा भारत हिल गया था। ये जवान सरकार की लापरवाही और मनमानी के कारण ही मारे गए थे। जवानों के काफिले पर आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का हमला हो सकता था। खुफिया एजेंसियों ने जानकारी दी थी कि सड़क मार्ग से जवानों को ले जाना खतरनाक है, लेकिन गृह मंत्रालय बेखबर रहा। जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने जवानों के लिए एक विमान की मांग की थी। गृह मंत्रालय ने इस मांग को खारिज कर दिया और बाद में जैश-ए-मोहम्मद ने ह्यपुलवामाह्ल हत्याकांड को अंजाम दिया। इसका मतलब है कि गृह मंत्रालय निकम्मा साबित हुआ या जैश-ए-मोहम्मद का कोई अहमद गृह मंत्रालय की गोद में बैठा है। इन सारे घटनाक्रमों का सारांश यही है कि पुलवामा और पहलगाम हत्याकांड सरकार की लापरवाही के कारण हुए। तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक और वर्तमान राज्यपाल मनोज सिन्हा ने हत्याकांड की जिम्मेदारी सरकार, यानी कि केंद्रीय गृह मंत्रालय पर डाल दी। जब राज्यपाल कहते हैं कि इन दोनों हत्याकांड की जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्री की ही है तो गृह मंत्री को इस्तीफा देना ही होगा। मोदी-शाह के राज्य में मणिपुर से लेकर कश्मीर तक लोग चींटियों की तरह मारे जा रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह, पहले जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल को हटाइए और खुद भी इस्तीफा दें!

समोसे-जलेबी पर सरकारी फरमान

सिगरेट और शराब को लेकर वैधानिक चेतावनी दी जाती है कि इनका सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अब मोदी सरकार समोसे और जलेबी पर भी ऐसी ही चेतावनी जारी करने का फरमान निकाल चुकी है। जल्द ही देश के सभी सरकारी संस्थानों में जल्द ही ऐसे बोर्ड लगाए जाएंगे जो साफ बताएंगे कि आपकी प्लेट में आया समोसे और जलेबी का स्वाद असल में कितना चीनी और तेल लेकर आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी सरकारी संस्थानों को कहा है कि कैफेटेरिया और सार्वजनिक जगहों पर ऐसे बोर्ड लगाए जाएं, जो सबसे प्रचलित भारतीय नाश्ते में छिपी चीनी और तेल की मात्रा दिखाएं। इनका मकसद लोगों को यह बताना है कि वे जो कुछ भी खा रहे हैं वह स्वाद में भले लाजवाब हो, लेकिन सेहत के लिए कितना भारी पड़ सकता है। एम्स नागपुर के अधिकारियों ने इसे फूड लेबलिंग में एक नया मोड़ कहा है, कि 'अब खाने के साथ भी उतनी ही गंभीर चेतावनी दिखेगी, जैसी सिगरेट पर होती है।' पाठकों को बता दें कि तले हुए और मीठे खाद्य पदार्थों के लिए ऐसी चेतावनी जारी हो सकती है। उदाहरण के तौर पर समोसा, जलेबी, पकौड़े, वड़ा पाव, गुलाब जामुन, लड्डू, खस्ता कचौरी, मिठाइयों की थालियां इन सबके सेवन पर कितनी शक्कर और तेल आपके शरीर में जाएगा, इस बारे में बाकायदा बोर्ड पर सूचना लगी होगी। इस पूरी मुहिम को देश की स्वास्थ्य समस्या के निदान के तौर पर पेश किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि अमेरिका की तरह भारत में मोटापा एक बड़ी समस्या बन चुका है।

देश में हर पांचवां शहरी वयस्क बढ़े वजन का शिकार है। 2050 तक देश में लगभग 45 करोड़ लोग मोटापे से ग्रसित होंगे, ऐसी आशंका है। बच्चों में भी मोटापा और डायबिटीज तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है तेल, ट्रांस फैट और चीनी से भरे खाद्य पदार्थों के खाने का चलन बढ़ा है। कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की नागपुर शाखा के अध्यक्ष अमर अमले ने कहा है कि यह फूड लेबलिंग की शुरूआत है जो सिगरेट की चेतावनियों जितनी गंभीर होती जा रही है। चीनी और ट्रांस फैट नए तंबाकू हैं. लोगों को यह जानने का हक है कि वे क्या खा रहे हैं। वैसे मोटापे पर यह चिंता मोदीजी की मुहिम से ही निकली हुई दिख रही है।

इस साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में मोटापे की गंभीर समस्या का जिक्र करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट का हवाला श्रेया घोषाल (गायिका), सुधा मूर्ति (राज्यसभा सांसद) और ओमर अब्दुल्ला (मुख्यमंत्री जम्मू-कश्मीर) को नामित किया था कि वे आगे इसी तरह 10 और लोगों को नामित करें।

पाकिस्तान में मानसूनी बारिश और बाढ़ ने मचाई तबाही, अब तक 116 की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि देश में मानसून की भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ ने 26 जून से अब तक 116 लोगों की जान ले ली है। इसके अलावा, 253 लोग घायल हुए हैं। एनडीएमए की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बारिश से संबंधित घटनाओं में 5 और लोगों की मौतें हुई हैं, जबकि 41 लोग घायल हुए हैं। अनुसार, सबसे ज्यादा 44 लोगों की मौत पंजाब प्रांत में हुई हैं। इसके बाद उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा में 37, दक्षिणी सिंध में 18 और दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान में 16 मौतें दर्ज की गई हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में 1 मौत हुई और 5 लोग घायल हुए, जबकि गिलगित-बाल्टिस्तान और इस्लामाबाद में कोई हताहत नहीं हुआ है। एजेंसी ने पाकिस्तान के कई राज्यों के लिए मौसम संबंधी चेतावनी जारी की है। एनडीएमए के मुताबिक, पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में गुरुवार तक भारी बारिश और बाढ़ की आशंका जताई गई है। पिछले सप्ताह प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने खैबर पख्तूनख्वा में 11 से 17 जुलाई तक भारी बारिश का अनुमान जताया था, जिससे बाढ़ का खतरा और भी बढ़ सकता है। पाकिस्तान में मानसून जून से सितंबर तक रहता है और हर साल भारी बारिश से बाढ़, भूस्खलन और विस्थापन होता है।

सीरिया पर इजरायली एयर स्ट्राइक की निंदा में मध्य पूर्वी देश एकजुट

अम्मान। जॉर्डन, कतर, ईरान, कुवैत और सऊदी अरब सहित कई मध्य पूर्वी देशों ने सीरिया के दक्षिणी शहर स्वैदा के पास सीरियाई सेना के काफिलों पर इजरायली एयर स्ट्राइक की कड़ी निंदा की है। जारी एक संयुक्त बयान में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने बताया उन्होंने सेना को सीरियन फोर्सेज और हथियारों पर 'तत्काल हमला' करने का आदेश दिया है, ताकि सीरियाई शासन को ड्रूज समुदाय पर नुकसान पहुंचाने से रोका जा सके। सीरिया पर इजरायली हमले की निंदा करते हुए, जॉर्डन के विदेश और प्रवासी मंत्रालय ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन और सीरिया की स्थिरता, संप्रभुता और सुरक्षा को निशाना बनाने वाला एक खतरनाक हमला बताया।जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता, राजदूत सुफियान अल-कुदाह ने इन हमलों को तुरंत रोकने और सीरिया जैसे सहयोगी राष्ट्र की संप्रभुता का सम्मान करने पर जोर दिया है। राजदूत ने सीरिया, उसकी सुरक्षा, स्थिरता, संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और उसके नागरिकों की सुरक्षा के प्रति सऊदी अरब के रुख और पूर्ण एकजुटता को दोहराते हुए इस बात पर जोर दिया कि सीरिया की सुरक्षा और स्थिरता क्षेत्रीय स्थिरता की आधारशिला है।'

हिंसक झड़पों के बीच गोलान हाइट्स के ड्रूज नागरिक दक्षिणी सीरिया में दाखिल हुए

यरूशलम। ड्रूज लड़ाकों और सीरियाई अंतरिम सरकार के बलों के बीच हिंसक झड़पों के बीच इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स से दर्जनों ड्रूज नागरिक दक्षिणी सीरिया में दाखिल हो गए हैं। इजरायली सूत्रों ने यह जानकारी दी है। एजेंसी के अनुसार, इजरायल की सेना ने कहा कि सैनिक इन नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए ऑपरेशन चला रहे हैं। ये लोग इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स में मौजूद मजदल शम्स से सीरिया के दक्षिणी हिस्से में स्थित द्रुज गांव में गए थे।इजरायल के आर्मी रेडियो के मुताबिक, यह घटना लेबनान के ड्रूज समुदाय द्वारा सोशल मीडिया पर सीरिया के दक्षिणी प्रांत स्वेदा में अपने समुदाय के समर्थन में की गई अपील के बाद हुई। इजरायल ने मंगलवार को स्वेदा शहर और उसके आसपास सीरियाई सेना के काफिलों पर हवाई हमले किए, जिसमें कई सैनिक मारे गए और घायल हुए। इससे स्थानीय ड्रूज सशस्त्र समूहों, बेडौइन जनजातियों और सीरियाई अंतरिम सरकार की सेनाओं के बीच चल रही झड़पें और तेज हो गईं। ड्रूज एक धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक समुदाय है, जो इस्लाम से उत्पन्न हुआ है और मुख्य रूप से सीरिया, लेबनान, इजरायल और जॉर्डन में रहता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने स्वेदा क्षेत्र में सीरियाई सेना और हथियारों पर हमले का आदेश दिया है, क्योंकि सीरियाई सरकार इनका इस्तेमाल ड्रूज समुदाय के खिलाफ करने की योजना बना रही थी।

जॉन टोरोड को नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करना पड़ा भारी, बीबीसी के शो 'मास्टरशेफ' से बाहर

लंदन। मशहूर शेफ जॉन टोरोड अब बीबीसी के चर्चित कार्यक्रम (शो) मास्टरशेफ में नजर नहीं आएंगे। उन्हें शो के प्रस्तोता पद से बर्खास्त कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई-ब्रिटिश सेलिब्रिटी शेफ और टेलीविजन एंकर टोरोड पर नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप लगा है। द गार्डियन के अनुसार, टोरोड की अब इसमें वापसी की संभावना क्षीण हो गई है। इस शो की निर्माता कंपनी बनिजय यूके ने साफ किया है कि टोरोड पर लगे आरोप गंभीर हैं। इसलिए उनके अनुबंध को आगे बढ़ाया नहीं जा सकता। हालांकि जॉन टोरोड इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे 59 वर्षीय शेफ टोरोड ने सोमवार शाम माना था कि वह ऐसे एक आरोप का सामना कर रहे हैं।

ट्रंप का पूरा जोर टेक्सास पर, कांग्रेस में मजबूत स्थिति के लिए जीतना चाहते हैं पांच सीट

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस समय सबसे बड़ी चिंता कांग्रेस में रिपब्लिकन की मजबूत स्थिति को बरकरार रखना है। उन्होंने पार्टी के सामने टेक्सास की पांच सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। ट्रंप ने कहा कि यह असंभव नहीं है। अगर मेहनत की जाए तो पार्टी पांच सीटें जीत सकती है।एनबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इस समय रिपब्लिकन पार्टी का टेक्सास के 38 कांग्रेसी जिलों में से 25 पर नियंत्रण रखते हैं। ट्रंप अगले सप्ताह के विशेष विधायी सत्र में पांच और सीटें बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। उनका फोकस दक्षिण टेक्सास के दो जिले हैं। यहां डेमोक्रेटिक प्रभावी हैं। पिछले साल ट्रंप ने प्रतिनिधि हेनरी क्यूएलर के जिले में 7 अंकों और प्रतिनिधि विसेंट गोंजालेज के जिले में 4

अंकों से बढ़त हासिल की थी। क्यूएलर ने अपनी सीट 6 अंकों से कम अंतर से जीती, जबकि गोंजालेज ने 3 अंकों से कम अंतर से। डेमोक्रेटिक जिलों में रिपब्लिकन मतदाताओं को लुभाने की कोशिश से रिपब्लिकन-नियंत्रित जिलों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है। ट्रंप ने गवर्नर ग्रेग एबॉट पर इसके लिए दबाव बनाया है। स्टीव कोर्नेकी ने हाल ही में उल्लेख किया है राष्ट्रपति की रिपब्लिकन पार्टी ने पिछले 15 मध्यावधि चुनाव में से 13 में हाउस सीटें गंवाई हैं। सेन जॉन कॉर्निन को राज्य के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन से रिपब्लिकन प्राइमरी में चुनौती मिल रही है। एक्स पोस्ट में उन्होंने तर्क दिया, टेक्सास में हिस्पैनिक मतदाता तेजी से रिपब्लिकन के पक्ष में आ गए हैं। टेक्सास रिपब्लिकन को इसका बड़ा फायदा मिल सकता है। डेमोक्रेट और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम 2028 के राष्ट्रपति पद के संभावित दावेदार हैं। उन्होंने टेक्सास में रिपब्लिकन के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए अपने राज्य के नक्शे को फिर से बनाने का प्रस्ताव भी रखा है। डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी की अध्यक्ष प्रतिनिधि सुजैन डेलबेने ने कहा कि बहुमत खोने की आशंका से रिपब्लिकन नए-नए तरीके खोज रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में कांग्रेस संघीय सरकार की विधायी शाखा है। यह कानून बनाने का काम करती है। यह दो सदनों में बंटी है। एक है प्रतिनिधि सभा और दूसरी सीनेट।

ब्रिटेन ने गुप्त पुनर्वास योजना के तहत हजारों अफगानों को दी शरण, डेटा लीक के बाद उठाया कदम

एजेंसी

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने खुलासा किया कि तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद, हजारों अफगान नागरिकों को, जिनमें कई ब्रिटिश सेना के साथ काम कर चुके हैं, एक गुप्त पुनर्वास योजना के तहत ब्रिटेन में बसाया गया है। यह कदम 2022 में लगभग 19,000 अफगानों की पहचान से जुड़ा डेटा लीक हो जाने के बाद संभावित खतरों को देखते हुए उठाया गया था। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने संसद में कहा कि इस योजना को लेकर पार्लियामेंट और जनता के प्रति पारदर्शिता की कमी मुझे हमेशा से परेशान करती रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस लीक की वजह से तालिबान द्वारा इन अफगानों के खिलाफ प्रतिशोध का खतरा पैदा हो गया था। दरअसल, रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी की ईमेल त्रुटि के चलते एक स्प्रेडशीट लीक हो गई थी, जिसमें 19000 अफगानों की व्यक्तिगत जानकारी थी। इसके कुछ अंश ऑनलाइन सार्वजनिक भी हो गए। तब उस समय की कंजर्वेटिव सरकार ने हाई कोर्ट से सुपर इंजंक्शन हासिल किया। सुपर इंजंक्शन का मतलब होता है एक ऐसा आदेश जो किसी चल रहे कानूनी मामले की न केवल रिपोर्टिंग पर रोक लगाता है, बल्कि यह भी गोपनीय रखता है कि कोई आदेश जारी हुआ है। ऐसे में अब लेबर सरकार ने यह गोपनीय योजना सार्वजनिक करने का फैसला किया है और सुपर इंजंक्शन को समाप्त कर दिया गया है। सरकार ने बताया कि एक स्वतंत्र समीक्षा में यह निष्कर्ष निकाला गया कि डेटा लीक के कारण अफगान नागरिकों को असामान्य खतरे का सामना नहीं करना पड़ा है।

ताइवान में चीन की सैन्य हलचल बढ़ी

एजेंसी

ताइपे (ताइवान)। ताइवान का स्वतंत्र राष्ट्र होना चीन को फूटी आंख नहीं सुहाता। उसकी हरचंद कोशिश है कि ताइवान चीन का हिस्सा बने। वह लंबे समय से इस कोशिश में लगा हुआ है। ताइवान के आसपास चीन के लड़ाकू विमान मंडराते रहते हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि आज सुबह देश के हवाई और जल क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियां देखी गईं।

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज सुबह 6:00 बजे (स्थानीय समय) चीन के 18 सैन्य विमान, सात नौसैनिक जहाज और दो आधिकारिक जहाज देखे गए। 18 सैन्य विमानों में से छह मध्य रेखा को पार कर देश के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गए। चीन की कार्रवाई के जवाब में सशस्त्र बलों ने सैन्य विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं। रक्षा मंत्रालय ने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा कि मंत्री वेलिंगटन कू ने कल रात रन-वे की मरम्मत में जुटे सैनिकों का कुशलक्षेम जानने के लिए हुआलिएन का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि में से 21 ने उल्लंघन कर ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। इससे पहले 12 जुलाई को भी चीन ने ताइवान में घुसपैठ की थी। तब ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि

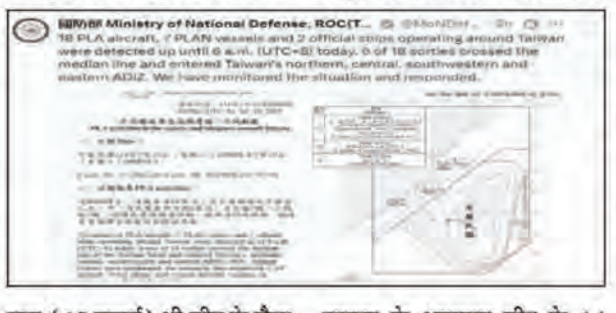

कल (15 जुलाई) भी चीन के सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की थी। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा था कि सुबह ताइवान के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों, सात नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को सक्रिय होते देखा गया। चीन के 26 सैन्य विमानों ताइवान के आसपास चीन के 14 सैन्य विमानों, नौ नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को देखा गया। ताइपे टाइम्स अखबार की हालिया खबर के अनुसार, चीन अपने जहाजों के माध्यम से ताइवान इलाके में गुआम के आसपास समुद्री तल का मानचित्रण कर रहा है।

इंग्लैंड के ऐतिहासिक 'सिकामोर गैप' पेड़ काटने वालों को 4 साल से अधिक की जेल

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के प्रतिष्ठित 'सिकामोर गैप' पेड़ को जानबूझकर काटने के दोषी दो व्यक्तियों डेनियल ग्राहम (39) और एडम कैरदर्स (32) को चार साल तीन महीने की सजा सुनाई गई। इस घटना को ऐतिहासिक विरासत के खिलाफ गंभीर अपराध मानते हुए न्यूकैसल क्राउन कोर्ट ने यह फैसला सुनाया।न्यायमूर्ति क्रिस्टीना लैम्बर्ट ने अपने फैसले में इस कृत्य को मूर्खतापूर्ण और अपरिवर्तनीय क्षति बताया, जिससे जनता की भावनाओं को गहरा आघात पहुंचा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दोनों आरोपितों ने पहले घटना से इनकार किया था, लेकिन साक्ष्यों के सामने आने पर उन्होंने इसे शराब के प्रभाव में की गई गलती बताते हुए स्वीकार कर लिया।नेशनल ट्रस्ट के प्रतिनिधि एंड्रयू पोएड ने कोर्ट में कहा, यह पेड़ सिर्फ एक दृश्य नहीं, बल्कि लोगों के भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक था। यह उनके जीवन की यादों, फोटो, और शांति का स्थान था।÷ पेड़ के साथ-साथ हेड्रियन वॉल, जो एक यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है, को भी नुकसान पहुंचाया

गया। 150 वर्षों से हेड्रियन की दीवार के पास दो पहाड़ियों के बीच स्थित यह पेड़ प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध था। यह पेड़ 1991 की हॉलीवुड फिल्म 'रॉबिन हुडः प्रिंस ऑफ थीव्स' में भी दिखाया गया था और 2016 में 'इंग्लिश ट्री ऑफ द ईयर' के खिताब से नवाजा गया था। उल्लेखनीय है कि यह घटना 28 सितंबर 2023 को नॉर्थम्बरलैंड नेशनल पार्क में हुई, जब दोनों आरोपितों ने एक चेनसॉ के जरिए पेड़ को काटा और उसका वीडियो मोबाइल पर रिकॉर्ड किया। पेड़ को काटने का वीडियो ग्राहम के मोबाइल में पाया गया, जबकि उनकी गाड़ी की लोकेशन भी घटनास्थल के आसपास रिकॉर्ड हुई।

अमेरिका में रह रहे लाखों अवैध प्रवासियों की मुसीबत बढ़ी,लिया जाएगा हिरासत में,जमानत पर सुनवाई भी नही होगी

एजेंसी

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे लाखों अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने का पक्का मन लिया है। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने काफी कठोर नीति लागू की है। इस नीति के अनुसार, बिना दस्तावेज के रह रहे प्रवासियों को जमानत की सुनवाई के अयोग्य माना जाएगा। पूरे मामले की सुनवाई के दौरान उन्हें महीनों या सालों तक हिरासत में रखा जा सकता है। द वाशिंगटन पोस्ट की खबर के अनुसार, वकीलों का मानना है कि इस नीति का मकसद निर्वासन अभियान में तेजी लाना है। आईसीई को हिरासत में लिए गए प्रवासियों को सुविधाजनक तरीके से रखने के लिए अरबों डॉलर प्राप्त हुए हैं। वकीलों का कहना है कि इससे पहले ऐसे प्रवासियों को आम तौर पर आव्रजन न्यायाधीश के समक्ष जमानत की अर्जी देने का अधिकार था। इस नीति का खुलासा

आईसीई के कार्यवाहक निदेशक टॉड एम. लियोन्स 08 जुलाई को कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि गृह सुरक्षा विभाग ने हिरासत और रिहाई के अधिकार पर कानूनी स्थिति पर पुनर्विचार किया है। तय किया गया है कि अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले प्रवासियों को उनके निष्कासन की कार्यवाही की अवधि तक हिरासत में रखा जाएगा।आव्रजन वकीलों का कहना है कि यह नीति उन लाखों लोगों पर भी लागू होगी जो दशकों से अमेरिका में रह रहे हैं और उनमें से कई के बच्चे अमेरिकी नागरिक हैं। आईसीई के कार्यवाहक निदेशक टॉड एम. लियोन्स का मानना है कि आईसीई को इस कदम के लिए कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आईसीई के एक प्रवक्ता ने द इंपिडेंट अखबार से कहा कि यह नीति कानून की गलत व्याख्या के आधार पर अमेरिका की सुरक्षा के लिए अहम खामी को दूर करती है। अगले चार वर्षों में प्रवासियों को हिरासत में रखने के लिए 45 अरब डॉलर मिलेंगे। संघीय अधिकारियों का मानना है कि इस रकम से आईसीई हिरासत केंद्रों में बिस्तरों की संख्या 80,000 से 100,000 तक बढ़ाएगी। अधिवक्ताओं का कहना है कि प्रवासियों को जमानत की सुनवाई से वंचित करने से उनके लिए अपना मामला लड़ना और भी मुश्किल हो जाएगा।

स्लोवाकिया ने उठाई रूस के खिलाफ 18वें प्रतिबंध पैकेज पर वोटिंग स्थगित करने की मांग

एजेंसी

ब्रातिस्लावा/ब्रुसेल्स। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फीको ने पुष्टि की कि उनकी सरकार रूस के खिलाफ यूरोपीय संघ (ईयू) की ओर से प्रस्तावित 18वें प्रतिबंध पैकेज पर वोटिंग स्थगित करने की मांग कर रही है, क्योंकि इसमें स्लोवाकिया की राष्ट्रीय परिस्थितियों से जुड़ी चिंताओं का समाधान पर्याप्त नहीं है। फीको ने सोशल मीडिया पर यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का एक पत्र सार्वजनिक करते हुए बताया कि आयोग ने स्लोवाकिया के लिए एक व्यापक कार्य योजना का प्रस्ताव दिया था, जिसमें देश की ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक चुनौतियों को ध्यान में रखने की बात कही गई थी। लेकिन फीको ने इसे अपर्याप्त और अस्वीकार्य बताते हुए खारिज कर दिया। फीको ने रूस से गैस आयात को 2028 तक समाप्त करने के प्रस्ताव को मूर्खतापूर्ण बताते हुए कहा कि उनकी सरकार 2034 तक वर्तमान गैस आपूर्ति अनुबंध को जारी रखने के लिए अपवाद की मांग कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भले ही यह प्रस्ताव प्रतिबंध पैकेज का हिस्सा नहीं है, लेकिन स्लोवाकिया अपने हितों की रक्षा के लिए दोनों मुद्दों को जोड़ रहा है। यूरोपीय संघ में किसी भी प्रतिबंध पैकेज को पारित करने के लिए सदस्य देशों की सर्वसम्मति आवश्यक होती है, ऐसे में स्लोवाकिया का विरोध निर्णायक बन गया है। फीको ने संकेत दिया है कि वे अतिरिक्त गारंटी के बदले प्रतिबंधों पर सहमति के लिए तैयार हैं, लेकिन वर्तमान प्रस्ताव उनकी राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।

कैलाश मानसरोवर यात्राः वीजा प्रक्रिया में देरी के कारण 5000 से अधिक भारतीय तीर्थयात्री काठमांडू में फंसे

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू स्थित चीनी दूतावास की ओर से कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए वीजा प्रक्रिया में देरी करने के कारण करीब 5000 से अधिक भारतीय श्रद्धालु काठमांडू में फंसे हुए हैं। नेपाल में कैलाश मानसरोवर की यात्रा कराने वाले टूरिस्ट और ट्रैकिंग कंपनियों ने चीनी दूतावास से अनुरोध किया है कि वो वीजा प्रक्रिया में देरी किए बिना भारतीय श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर की यात्रा को सहज बनाने में मदद करे। भारतीय श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर की यात्रा कराने वाले टूर ऑपरेटरों के संगठन एसोसिएशन ऑफ कैलाश टूर ऑपरेटर्स नेपाल के महासचिव प्रदीप पंडित ने बताया कि चीनी दूतावास की तरफ से वीजा प्रक्रिया में विलंब किए जाने के कारण यात्रियों को

काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नेपाल और चीन को जोड़ने वाला तातोपानी नाका और रसुवा नाका दोनों ही इस बार बाढ़, बारिश तथा भूस्खलन के कारण बंद हो गए हैं। इस कारण से भी सड़क मार्ग से कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने वाले भारतीय श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है। प्रमोद पंडित ने बताया कि इस समय पांच हजार से अधिक भारतीय तीर्थयात्री काठमांडू में ही फंसे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि नेपाल सरकार के माध्यम से तथा स्वयं टूर ऑपरेटर्स भी चीनी दूतावास के अधिकारियों से वीजा प्रक्रिया में देरी नहीं करने के लिए बार-बार आग्रह कर रहे हैं लेकिन चीनी दूतावास की तरफ से सकारात्मक जवाब नहीं मिल रहा है। नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से भी चीनी दूतावास से समन्वय का काम किए जाने की जानकारी दी गई है। विदेश सचिव अमृत राय ने बताया कि वो खुद चीनी राजदूत से मिल कर इस समस्या को यथाशीघ्र समाधान करने के लिए आग्रह कर चुके हैं।

इमरान खान की पूर्व पत्नी रेहम खान की सियासत में एंट्री, 'पाकिस्तान रिपब्लिक पार्टी' से करेंगी नई शुरुआत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पूर्व पत्नी और जानी-मानी पत्रकार रेहम खान ने राजनीति में उतरने की आधिकारिक घोषणा की है। उन्होंने 'पाकिस्तान रिपब्लिक पार्टी' नाम से एक नए राजनीतिक दल बनाने का ऐलान किया है। इस कदम ने पाकिस्तान की राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।रेहम खान ने स्पष्ट कहा कि वह अब किसी के कहने पर नहीं, बल्कि अपनी मर्जी और शर्तों पर राजनीति में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी किसी राजनीतिक परिवार, वंश या दबाव समूह का हिस्सा नहीं होगी, बल्कि यह पूरी तरह जनता के मुद्दों पर केंद्रित होगी। अपने संबोधन में रेहम खान ने पाकिस्तान में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी को उठाया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, स्वच्छ जल और शिक्षा जैसी मूलभूत सेवाओं का हाल 2012 से अब तक बदतर हुआ

है और यह अब बर्दाश्त से बाहर है। उनकी पार्टी का उद्देश्य आम जनता की वास्तविक समस्याओं को सियासत का केंद्र बनाना होगा। रेहम खान ने कहा कि उनकी पार्टी वंशवाद की राजनीति के सख्त खिलाफ है। उनका दावा है कि उनकी पार्टी एक जनआधारित स्वतंत्र आंदोलन होगी, जो सच्चे बदलाव के लिए काम करेगी। रेहम खान की राजनीति में एंट्री की घोषणा से पाकिस्तान के राजनीतिक हलकों में कोहराम बच गया है। राजनीतिक विश्लेषक जहां इस फैसले को राजनीतिक बदलाव बता रहे हैं, वहीं विपक्षी इसे एक नवोदित चुनौती के रूप में देख रहे हैं।

अफगानिस्तान के लाघमन प्रांत में भारी बारिश के बाद जबर्दस्त बाढ़

एजेंसी

मेहर लाम। अफगानिस्तान के लाघमन प्रांत में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ के कारण 11 लोग घायल हो गये और अनेक घरों को नुकसान पहुंचा । सरकारी समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी है। सरकारी समाचार ने बताया कि इस भीषण बाढ़ की चपेट में आकर 525 एकड़ खेत जलमग्न हो गये हैं और 160 मवेशी भी बह गये।

बाढ़ की भीषणता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे ग्रामीण क्षेत्र की 25 किलोमीटर लंबी सड़कें बह गयी और प्रांत की 700 मीटर लंबी सुरक्षात्मक दीवार भी नष्ट हो गयी। पिछले सप्ताह नांगरहार प्रांत में आंधी तूफान और अचानक आई बाढ़ से दो लोगों की मौत हो गयी थी और स्थानीय आबादी को काफी नुकसान हुआ था। देश के मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है जिससे देश के पर्वतीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। देश के विभिन्न हिस्सों में आयी बाढ़ से लोगों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है और इससे जनजीवन भी अस्त व्यस्त हुआ है। इस मौसमी आपदा की वजह से लोगों को एक स्थान से दूसरी जगह आना जाना प्रभावित हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने और मौसम संबंधी किसी भी तरह की आपात स्थितियों के लिए तैयार रहने को कहा है क्योंकि अनेक हिस्सों में मानसूनी स्थितियां काफी प्रतिकूल बनी हुई हैं।

नेपाल का संविधान जारी होने के बाद विवाहित महिला को भी पैतृक संपत्ति में बराबर का अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए विवाहित महिला को भी अपने पिता की संपत्ति में बराबर का अधिकार देने की बात कही है। हालांकि यह कानून नेपाल के नए संविधान के जारी होने के दिन से लागू करने का फैसला सुनाया गया है।

पिता की संपत्ति पर अधिकार मांगने के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नेपाल का संविधान जारी होने के दिन से ही वह कानून लागू किया जाए जिसमें पिता की संपत्ति पर विवाहित बेटियों को भी बराबर का अधिकार देने की बात उल्लेख है। इस समय नेपाल में बेटियों को अपने पिता की संपत्ति में बराबर का अधिकार देने का कानून है। सरकार ने इसमें संशोधन करते हुए सिर्फ अविवाहित बेटियों को ही नहीं बल्कि विवाहित बेटियों को भी संपत्ति में बराबर का अधिकार देने का प्रावधान रखा। सरकार द्वारा इस संशोधन को किए जाने के बाद अदालत में संपत्ति को लेकर लंबित तमाम मुद्दों में जिला अदालत और उच्च अदालत ने बेटियों को संपत्ति में अधिकार देने का फैसला भी सुनाया। लेकिन इस कानून को कब से लागू माना जाए इसको लेकर

विवाद होने के बाद अदालत ने पांच जजों की बेंच गठित कर इस पर अपना फैसला सुनाया है। पांच जजों में से तीन जजों ने बहुमत से यह फैसला सुनाया है कि सरकार का यह कानून संविधान जारी होने के दिन से लागू किया जाए।

जबकि दो जजों का मत यह था कि पिता की संपत्ति पर सभी बेटियों का बराबर का अधिकार होना चाहिए इसमें संविधान में दिन तारीख या साल नहीं लिखा है तो इसमें विवाहित या अविवाहित नहीं देखना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज कुमार शर्मा, सारंगा सुवेदी, अब्दुल अजीज तथा महेश शर्मा पौडेल के फूल बेंच ने इस पर अपना फैसला सुनाते हुए बेटियों को पिता की संपत्ति में बराबर की हिस्सेदारी देने के संसद के कानून को सही बताया है। हालांकि इनमें से न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल तथा महेश शर्मा पौडेल ने इस फैसले में सभी विवाहित महिलाओं को भी यह अधिकार दिए जाने की बात कही है। लेकिन अन्य तीन जजों ने जब से यह संविधान जारी हुआ है उस समय से विवाहित महिलाओं को यह अधिकार मिलने की बात बहुमत से फैसला किया है।

सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल के बच्चों को किया गया सम्मानित

पठानकोट(करूनीत रंधावा)

श्री सुखी बाठ जी, संस्थापक पंजाब भवन सरी कनाडा और ओकार सिंह तेजे, प्रोजेक्ट इंचार्ज नए कलम नई उड़ान की अगुवाई में हस्त शिल्प कॉलेज बटाला में आयोजित एक दिवसीय बाल महोत्सव में पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेश्वर सलारिया द्वारा संपादित पठानकोट जिले की दूसरी पुस्तक का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम में भाग लेने के बाद, स्कूल पहुंचने पर पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी श्री राजेश्वर सलारिया ने बच्चों को सम्मानित किया। स्कूल ने पंजाबी मातृभाषा से जुड़े लोगों को विशेष रूप से

सम्मानित किया। इस समय बोलते हुए, इस परियोजना के जिला अध्यक्ष और पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेश्वर सलारिया ने कहा कि यह परियोजना नए कलम नई उड़ान बच्चों की अपनी परियोजना है जिसमें बच्चे अपनी मौलिक रचनाएँ प्रस्तुत करते हैं, जिन्हें पंजाब भवन सरे कनाडा द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है और अब तक लगभग 6000 बच्चों की रचनाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं। स्कूल के प्रिंसिपल राजीव कंडा ने कहा कि वह राजेश्वर सलारिया जी के बहुत आभारी हैं जो बच्चों को उनकी मातृभाषा से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान कुछ विद्यार्थियों ने अपनी लिखित रचनाएँ भी प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर आरव महाजन, सुशांत कुमार और मुग्धा को पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेश्वर सलारिया और प्रिंसिपल सिस्टर फरीदा ने पंजाब भवन सरे कनाडा से मेडल और सर्टिफिकेट देकर विशेष रूप से सम्मानित किया।

न्यूज फ्लैश

दक्षिण भारत के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए यह विशेष ट्रेन 28 जुलाई को रवाना होगी

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

रेलवे बोर्ड ने दक्षिण भारत के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के दर्शन के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए भारत गौरव ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन 28 जुलाई को दक्षिण भारत की दिव्य यात्रा पर रवाना होगी। 13 दिनों की यह यात्रा पठानकोट कैंट स्टेशन से शुरू होगी और श्रद्धालुओं को दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों जैसे तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन के दर्शन कराएगी। यह जानकारी पठानकोट के उपायुक्त श्री आदित्य उप्पल ने दी। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान इसके मुख्य बोर्डिंग पॉइंट जालंधर सिटी, लुधियाना, चंडीगढ़, अंबाला कैंट, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, हजरत निजामुद्दीन, मथुरा, आगरा कैंट और ग्वालियर हैं। कुल मिलाकर, यह यात्रा 12 रातों और 13 दिनों की होगी और वापसी 9 अगस्त को होगी। यात्रा के लिए तीन श्रेणियों में सीटें उपलब्ध हैं, स्लीपर क्लास में कुल 640 सीटें, थर्ड एसी में 70 सीटें और सेकंड एसी में 50 सीटें। स्लीपर क्लास का किराया 30,135 रुपये, थर्ड एसी का किराया 43,370 रुपये और सेकंड एसी का किराया 57,470 रुपये प्रति व्यक्ति होगा। इस पैकेज में ट्रेन टिकट के साथ-साथ दैनिक भोजन, आरामदायक आवास, दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए एसी/नॉन-एसी बस, टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा और प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएँ आदि शामिल हैं। इस बारे में रेलवे के जनसंपर्क निदेशक दिलीप कुमार ने बताया कि रेलवे समय-समय पर सभी क्षेत्रों को जोड़ता है, इसलिए पंजाब को दक्षिण भारत के मंदिरों से जोड़ने के लिए यह ट्रेन चलाई जा रही है। पठानकोट को इसका शुरूआती बिंदु इसलिए रखा गया है क्योंकि कश्मीर और हिमाचल पठानकोट के करीब हैं, इसलिए वहाँ से जाने वाले लोग भी जा सकते हैं।

पाजो गांव में दिनदहाड़े गुंडागर्दी, जेसीबी से तोड़ा बुजुर्ग का घर, पुलिस ने दर्ज किया मामला

दिव्य दिल्ली : अमरप्रीत सिंह (सोलन)

एसपी सोलन गौरव सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने एक बुजुर्ग की शिकायत पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मामला सोलन जिला के डूँ३ ी पाजो गांव का है जहां 67 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद के मकान पर करीब 20-25 लोगों ने अचानक धावा बोल दिया। आरोप है कि आरोपियों ने जेसीबी मशीन मंगवाकर बुजुर्ग का घर जबरन गिरा दिया। मकान तोड़ने के बाद पूरा गिरोह 10 से 12 गाड़ियों में बैठकर फरार हो गया।बुजुर्ग के विरोध करने पर आरोपी परिवार को जान से मारने की धमकियां भी देते रहे। एसपी गौरव सिंह ने बताया कि मामले में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच तेज कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

जिला पुलिस नूरपुर की अवैध खनन के खिलाफ कार्यवाही तेज

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर जिला पुलिस नूरपुर द्वारा अवैध खनन के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत आज पुलिस थाना नूरपुर के अंतर्गत चक्की खड्ड में अवैध खनन माफिया के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एक जेसीबी को जब्त किया है। यह जानकारी एक प्रेस विज्ञाप्ति मे जिला एस पी नूरपुर अशोक रत्न ने बताया कि पुलिस ने इस बारे धारा 303(2) बीएनएस तथा धारा 21 माइन्स एंड मिनरल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही अमल में ले जा रही है। गौरतलब है कि जिला पुलिस नुरपूर द्वारा वर्ष 2025 में अवैध खनन माफिया के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करते हुए दिनांक 16 जुलाई तक अवैध खनन माफिया के खिलाफ 13 मामले दर्ज किया जा चुके है और उपरोक्त मामलों में 28 वाहन पुलिस द्वारा जब्त किए जा चुके है। इसके अलावा वर्ष 2025 में दिनांक 16 जुलाई तक अवैध खनन अधिनियम के अधीन 427 चालान किए गए है तथा अवैध खनन में शामिल 94 वाहनों को जब्त किया जा चुका है।

पीएम राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल अंब में गाइड कंपनी का दीक्षा संस्कार समारोह संपन्न

दिव्य दिल्ली : राम प्रकाश (ऊना)

पीएम राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल अम्ब में गाइड कंपनी का दीक्षा संस्कार समारोह बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य विनोद वनियाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान प्रधानाचार्य ने सभी नई गाइड्स को संस्था की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने और समाज में एक

आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में गाइड कैप्टन सोनू कुमारी ने गाइड्स को प्रतिज्ञा दिलवाई। गाइड्स ने मयार्दा में रहकर सच्चाई, ईमानदारी, ईश्वर एवं देश के प्रति कर्तव्य निभाने, दूसरों की सहायता करने और गाइड नियमों का पालन करने की शपथ ली। प्रधानाचार्य वनियाल ने गाइड्स को संस्था का स्कार्फ पहनाकर, सदस्यता बैज लगाकर और मुंह मीठा करवा कर संस्था के सदस्य के रूप में शामिल किया। इस अवसर पर गाइड कैप्टन सोनू कुमारी, अमरजीत सिंह, गणेश लठ और सुनीता देवी भी उपस्थित रहीं। भारत स्काउट एंड गाइड एक विश्वव्यापी संस्था है, जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है और देशभक्ति की भावना को मजबूत कर रही है।

ज्वाली विधानसभा क्षेत्र कि ग्राम पंचायत सिद्धपुर मैं गत रात्रि चोरी होने का मामला

दिव्य दिल्ली : राजेश कतनौरिया (ज्वाली भरमाड़)

प्राप्त जानकारी के अनुसार कमल कुमार नै बताया कि हमारा भाई सेना से सेविनिवृत कैप्टन स्वर्ण सिंह अपनी पत्नी को सत्या देवी को जो कि कैंसर से पीड़ित हैं ! उसका ईलाज करवाने के लिए वो डेड माह से दिल्ली मैं मकान की देखभाल के लिए हमें कह गये थे ! उन्होंने बताया कि कोई कैंटीन का कार्ड के लिए कुछ कागज कल वनाये थे ! तो भाई नै कहा था कि कुछ कागजात घर पर हैं ! मैं सुबह आपको विडियो काल से वता दूंगा लेकिन जब मेरा बेटा आखिल चंमबियाल घर गया तो घर के मेन दरवाजा खुला हुआ था ! आखिल नै अपने पिता कमल कुमार को बताया कि घर का दरवाजा खुला हुआ है ! ऐसे लग रहा था कि चोरों नै पहले ताले को लोहे की आरी से काटा था ओर वाद हथोड़े से तोड़ा होगा ! उन्होंने उसी समय सेविनिवृत कैप्टन स्वर्ण सिंह को बिडियो काल से जानकारी दी ! तो उन्होंने बताया कि घर मैं अलमारी लगभग 80000 रुपए

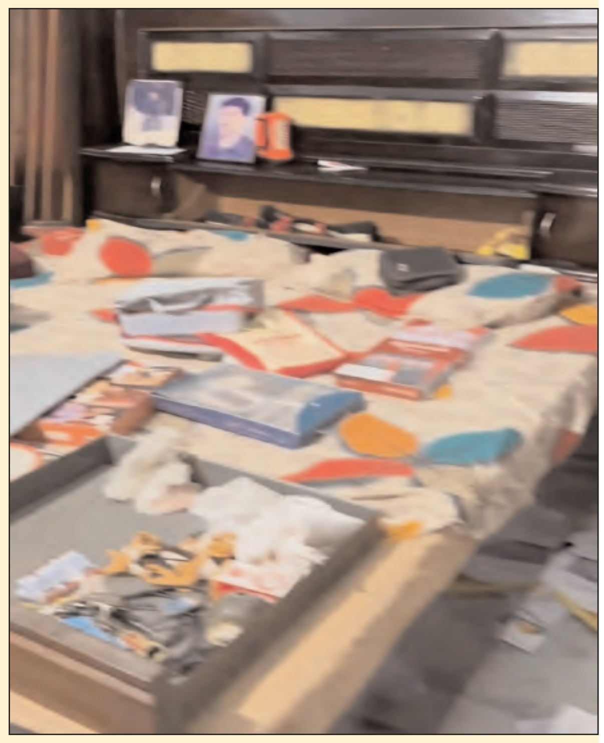

नकद रखें है ! चोर उस अलमारी का ताला तोड़ करके सारी नकदी 80000 रुपये को ले गये है ! वाकी और चोर साथ मैं क्या क्या ले गयें है यह तो घर आकर ही पता लगेगा ! कमल कुमार नै इसकी सूचना पंचायत उपप्रधान महेश कुमार चंमबियाल को दी उन्होंने मौका देख कर पुलिस थाना ज्वाली को सूचित कर दिया ! ज्वाली पुलिस नै मौके पर आकर वहां पर मौजूद लोगों के वयान दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है !

जिला सोलन में डेंगू व मलेरिया लगा पैर पसारने

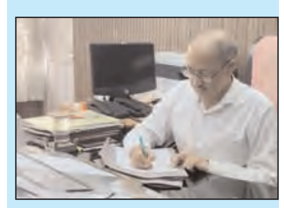

दिव्य दिल्ली : अमरप्रीत सिंह (सोलन)

जिला सोलन में बरसात के मौसम में डेंगु व मलेरिया अपने पांव पसारने लग गया है। ईएसआई परवाणु में डेंगू के 11 मामलों की पुष्टि हुई है। जो मामले परवाणु व आसपास के क्षेत्रों से सामने आये है। वहीं बीबीएन क्षेत्र में दो मलेरिया के मामलों की पुष्टि हुई है। मलेरिया वाले मरीज किसी अन्य जगह से आये थे। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से एहतियात बरतने का आग्रह किया है।जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित रंजन तलवार ने बताया कि ईएसआई परवाणु में 11 डेंगू के मामले सामने आये है। स्वास्थ्य विभाग व नगर परिषद परवाणु संयुक्त रूप से कार्य कर रहीं है। परवाणु नगरपरिषद फॉगिंग कर रहीं है तो आषा कार्यकर्ता लोगा को जागरूक कर रहीं है। स्वास्थ्य अधिकारी ने लोगों से मलेरिया व डेंगू के एहतियात अपनाने का आग्रह किया है।

चिंतपूर्णी मंदिर न्यास की एम्बुलेंस चौबीस घंटे उपलब्ध हो

दिव्य दिल्ली : अंकित शर्मा (ऊना)

दलवाड़ी गांव के युवक अक्की रत्न शिशु ने विधायक सुदर्शन सिंह बबलू से मिलकर मांग की है की मंदिर न्यास की जो एम्बुलेंस है वो लोगो को चौबीस घंटे उपलब्ध हो पिछले दिनों दलवाड़ी के एक युवक की सर्पदंश से मौत हो गई थी विधायक सुदर्शन सिंह उनके परिवार के साथ दुख साझा करने पहुंचे थे इस मौके पर जब विधायक महोदय वापस जाने लगे तब अक्की रत्तन ने उनसे मिलकर एम्बुलेंस से संबंधित समस्या से अवगत कराया जिसको विधायक ने गंभीरता से लिया और विश्वास दिलाया कि जल्द ही मंदिर की एम्बुलेंस स्थानीय लोगों के लिए उपलब्ध होगी। अक्की रत्न ने कहा की कुछ लोग महंगी एम्बुलेंस का उपयोग नहीं कर पाते इसलिए ये एम्बुलेंस लोगो के लिए उपलब्ध हो ताकि लोगों का समय बर्बाद ना हो और लोग समय रहते इलाज के लिए अस्पताल पहुँच सकें। अक्की रत्न के साथ प्रधान राजेश शर्मा उप प्रधान आशीष शर्मा वार्ड पंच जीवन कुमार साथ रहे

राष्ट्रीय राजमार्ग 707 शिलाई से पोंटा साहिब के बीच जगह-जगह हुआ भारी भूस्खलन

दिव्य दिल्ली : विजय आजाद (सिरमौर शिलाई)

सिरमौर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 707 पिछले 30 घंटे से अधिक समय से बंद पड़ा है। पावटा साहिब से गुम्मा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई जगह बड़े लैंडस्लाइड हुए हैं उत्तरी गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर हालात बेहद खराब बने हुए हैं। यहां पिछले कल सड़क पर आए भारी बोल्डरों को अब तक नहीं हटाया जा सका है। ऐसे में यहां लोग जान जोखी में डालकर पैदल ही सड़क के टूटे हिस्से को पार करने को मजबूर हैं। सिरमौर जिले के पहाड़ी क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बारिश और बारिश से पैदा हुए हालात से पहाड़ी क्षेत्रों में जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 707 सहित दर्जनों लिंक रोड बंद पड़े हैं। एनएच 707 पर हालात बेहद खराब है। पिछली रात तेज बारिश होने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई स्थानों पर मलवा आ गया है। सतोन से कमरऊ के बीच लगभग चार स्थानों पर सड़क बंद रही। यहां चिलोंन के पास भारी कीचड़ सड़क पर आ गया। इस कीचड़ में एक बोलेरो पिकअप फंस गई।हालांकि यहां सड़क मार्ग कई घंटे बंद रहने के बाद बोलेरो को कीचड़ से निकाल लिया गया और सड़क मार्ग को बहाल कर दिया गया था।उधर उत्तरी के पास मलवा आने के बाद दूसरे दिन भी हालत नहीं सुधरे हैं। हालांकि सड़क को रिस्टोर करने का काम चल रहा है मगर, मलवा बहुत अधिक होने के चलते सड़क को अभी तक नहीं खोला जा सका है। यहां बेहद बड़े आकार के पत्थर सड़क पर आकर गिरे हैं। इन पत्थरों को फिलहाल नहीं हटाया जा सका है। अगले 24 घंटे तक मार्ग खुलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश भी रेस्क्यू में बाधा बन रही है। ऐसी हालत में यहां लोग पैदल ही सड़क के टूटे हिस्से को पार करने को मजबूर हैं। बेहद खतरनाक परिस्थितियों में यहां महिलाएं पुरुष और बुजुर्ग बच्चों सहित पैदल आर पार हो रहे हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि किस तरह से गिरते पड़ते एक बुजुर्ग सड़क पार करने को मजबूर हैं।

शाहपुर कंडी बैराज बांध विस्थापित परिवारों ने इंजीनियर कार्यालय के बाहर धरना दिया

दिव्य दिल्ली : करूनीत रंधावा पठानकोट

सुखी बाठ संस्थापक पंजाब भवन सरी कनाडा और ओकार सिंह तेजे, प्रोजेक्ट इंचार्ज नए कलम नई उड़ान की अगुवाई में हस्त शिल्प कॉलेज बटाला में आयोजित एक दिवसीय बाल महोत्सव में पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेश्वर सलारिया द्वारा संपादित पठानकोट जिले की दूसरी पुस्तक का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम में भाग लेने के बाद, स्कूल पहुंचने पर पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी श्री राजेश्वर सलारिया ने बच्चों को सम्मानित किया। स्कूल ने पंजाबी मातृभाषा से जुड़े लोगों को विशेष रूप से सम्मानित किया। इस समय बोलते हुए, इस परियोजना के जिला अध्यक्ष और पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेश्वर सलारिया ने कहा कि यह परियोजना नए कलम नई उड़ान बच्चों की अपनी परियोजना है जिसमें बच्चे अपनी मौलिक रचनाएँ प्रस्तुत करते हैं, जिन्हें पंजाब भवन सरे कनाडा द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है और अब तक लगभग 6000 बच्चों की रचनाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं। स्कूल के प्रिंसिपल राजीव कंडा ने कहा कि वह राजेश्वर सलारिया जी के बहुत आभारी हैं जो बच्चों को उनकी मातृभाषा से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान कुछ विद्यार्थियों ने अपनी लिखित रचनाएँ भी प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर आरव महाजन, सुशांत कुमार और मुग्धा को पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेश्वर सलारिया और प्रिंसिपल सिस्टर फरीदा ने पंजाब भवन सरे कनाडा से मेडल और सर्टिफिकेट देकर विशेष रूप से सम्मानित किया।

एम.आर.ए. डीएवी स्कूल सोलन में दो दिवसीय रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

दिव्य दिल्ली : अमरप्रीत सिंह (सोलन)

एम.आर.ए. डीएवी स्कूल सोलन के परिसर में 15 और 16 जुलाई को दो दिवसीय रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल लगभग 60 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।क्षेत्रीय अस्पताल सोलन की टीम, डॉ. शुभांगी के नेतृत्व में, लगभग 30

यूनिट रक्त संग्रहित किया। इसके पश्चात 16 जुलाई को एम.एम.यू. अस्पताल की टीम, डॉ. तरुण के नेतृत्व में, लगभग 30 यूनिट रक्त एकत्र किया।

विद्यालय के स्टाफ सदस्यों एवं अभिभावकों ने इस सामाजिक पहल में बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी रक्तदाताओं को उचित जलपान एवं प्राथमिक चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई तथा उनका समुचित ध्यान रखा गया।प्रधानाचार्या श्रीमती मासूमा सिंघा ने इस सफल आयोजन हेतु सभी स्टाफ सदस्यों, अभिभावकों, क्षेत्रीय अस्पताल सोलन तथा एम.एम.यू. अस्पताल चिकित्सकीय टीम का हार्दिक धन्यवाद किया। उन्होंने इस शिविर को मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में एक सराहनीय प्रयास बताया।

बुंगल वासियों को लाभपात्र बनाया गया

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से धार ब्लाक के गांव बुंगल में वीरवार को दूसरे दिन भी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन पूर्व सरपंच लाल सिंह के नेतृत्व से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व डिप्टी स्पीकर दिनेश सिंह बब्बू व भाजपा जिला अध्यक्ष विजय शर्मा रहे।

107वें दिन भी जारी भूख हड़ताल, विस्थापितों का डैम प्रशासन पर दबाव

पठानकोट(करूनीत रंधावा)

शाहपुर कंडी में बैराज बांध विस्थापित परिवारों ने अपने रोजगार व अन्य उचित मांगों को लेकर डैमज प्रशासन के चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर विशाल रोष प्रदर्शन किया तथा 107वें दिन भी अपनी भूख हडताल जारी रखी। आज लेख राज डूंग,गौरव सिंह कोट, प्रदीप कुमार अवां, साहिल सिह थडा उपरला व गुरदीप सिंह अवां ने अपनी भूख हडताल जारी रखी। बैराज बांध औसती संघर्ष कमेटी शाहपुर कंडी के पदाधिकारी

थीन डैम वर्कर्ज यूनियन के प्रधान जसवंत संधू की अध्यक्षता में जारी रखी गई ,भूख हडताल व रोष रैली में उन्होंने कहा कि , बैराज बांध प्रशासन व पंजाब सरकार ने बैराज बांध की बनी हुई झील के लिए उनके कई 17 गांवों से उनकी भूमि व आवासों को अधिगृहित किया है, जिससे सैंकडों परिवार प्रभावित हुए है। पंजाब सरकार की आर एंड आर पालिसी अनुसार, पुनार्वास मुआवजा व रोजगार देने का प्रावधान है, परंतु बैराज बांध प्रशासन ने अपनी मनमानी करके, गलत नियमों को बना कर उनके साथ धोखा किया है, जिसकारण उनके प्रभावित परिवारों को रोजगार हासिल करने में समस्या बन रही है। रोष प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की है कि आर एंड आर पालिसी को पहले दिए गए रोजगार अनुसार लागू किया जाए, उनका बनता रोजगार दिया जाए, पुनार्वास मुआवजा दिया जाए व अन्य बनती उचित मांगों को पूरा किया जाए। इसके साथ ही विस्थापित परिवारों ने चेतावनी दी है कि यदि शीध्र ही उनकी उचित मांगों को शीध्र पूरा नहीं किया गया तो वह तीस जुलाई को फिर से चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर , विशाल रोष प्रदर्शन व धरना देगें। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी व कर्मचारी नेता कामरेड जसवंत संधू, सुरजीत सिंह, रविंद्र बाबा, कुलदीप शर्मा, रजत बलोतरा,रोहित कुमार, हनी कुमार, जसविंदर सिंह जस्सू, विनोद कुमारी, सुनीता देवी, यशोदरा देवी, कमलेश कौर, गुरमीत कौर , रमेश कुमार , विनोद शर्मा,हरनाम सिंह, धर्मपाल व अन्य उपस्थित थे।

नगरोटा सूरियां की चुप्पी चाटुकारिता की डुगडुगी में दबा जन-सरोकार"

दिव्य दिल्ली : प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

पौंग झील ने हलदून को निगला, राजनीति ने आत्मा को। नगरोटा सूरियां की जमीन तो बंटी ही, पर उसकी पहचान भी चार राजनीतिक व प्रशासनिक ताकतों में बिखर गई। देहरा से जवाली तक की 57 किलोमीटर की पट्टी जहां विकास केवल नारों में है, सुविधाएं केवल पोस्टरों में।छह दशकों से ह्यडफलीह्ण बजा रहे यहां के लोग अपने नेताओं के पीछे तालियां पीटते रहे, बदले में पाई बस एक ह्यगुठलीह्ण। सिविल सब डिवीजन की मांग तो छोड़िए, अपनी आवाज उठाना भी यहां अपराध समझा जाता है क्योंकि सवाल करने से अपने काम रुक जाते हैं।यहां की जनता न मांगे, न सवाल करे यही सबसे बड़ी कमजोरी बनी। एक छत के नीचे सब कुछ तो पड़ोस में संभव है, फिर नगरोटा सूरियां में क्यों नहीं? सवाल उठता है ये भाग्य का खेल है या चाटुकारिता की सजा? राजनीतिक सुविधा के नाम पर जिस तरह से कार्यालयों को खिसकाया गया, वह न केवल प्रशासनिक अन्याय है, बल्कि हलदून की विरासत पर भी आघात है। दुखद यह है कि पड़ोसी भी उसी लय में ह्यआ बैल मुझे मारह्ण की धुन में ताली बजाते रहे।क्या यही नियति है इस पट्टी की? या अब कोई दूरदृष्टि वाला नेतृत्व सवाल पूछेगा?

Bigg Boss 19 में मचेगा धमाल

धनश्री वर्मा

से धीरज धूपर-श्रद्धा आर्या तक, सलमान खान के शो में दिख सकते हैं ये बड़े नाम

टेलीविजन के सबसे बड़े रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' को लेकर अभी से हलचल तेज हो गई है. होस्ट सलमान खान के इस धमाकेदार शो में कौन-कौन से सितारे चार चांद लगाएंगे, इसे लेकर सोशल मीडिया पर खूब अटकलें लगाई जा रही हैं. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस बार मेकर्स ने बिग बॉस के लिए कुछ बड़े और दिलचस्प चेहरों को अप्रोच किया है, जिनमें धनश्री वर्मा से लेकर श्रद्धा आर्या तक, कई नाम सबसे ऊपर हैं.

इस साल की शुरुआत में भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद सुर्खियों में आई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर धनश्री वर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं. मार्च 20 को उनके तलाक की आधिकारिक पुष्टि हुई थी और अब अंदाजा लगाया जा रहा है कि वो 'बिग बॉस 19' का हिस्सा बन सकती हैं. धनश्री का नाम लगभग कन्फर्म माना जा रहा है. दरअसल बिग बॉस से पहले धनश्री 'खतरों के खिलाड़ी 15' के लिए भी लॉक हुई थीं, लेकिन वो शो तब नहीं हो पाया था. अब बिग बॉस की टीम के साथ धनश्री की आखिरी नेगोशिएशन चल रही है.

'कुंडली भाग्य' की पॉपुलर जोड़ी पर मेकर्स की नजर

सिर्फ धनश्री ही नहीं, बल्कि टीवी इंडस्ट्री के भी कई जाने-माने चेहरों को 'बिग बॉस 19' के लिए अप्रोच किए जाने की खबरें हैं. टीवी के पॉपुलर एक्टर धीरज धूपर और उनकी 'कुंडली भाग्य' की को-स्टार श्रद्धा आर्या को शो के लिए संपर्क किया गया है. धीरज धूपर इससे पहले भी कलर्स के टीवी सीरियल में काम कर चुके हैं. टीवी पर टीआरपी के कई रिकार्ड्स तोड़ने वाले धीरज और श्रद्धा दोनों फिलहाल ऑफर पर विचार कर रहे हैं, लेकिन मेकर्स इस ऑनस्क्रीन जोड़ी को शो में लाने के लिए उत्सुक हैं. दोनों को सलमान खान के इस शो में शामिल होने के लिए मोटी रकम ऑफर की गई है.

इन सेलेब्स के नाम भी चर्चा में!

धीरज धूपर, श्रद्धा आर्या और धनश्री वर्मा के साथ-साथ कुछ और चर्चित सितारे भी 'बिग बॉस 19' में नजर आ सकते हैं.

सिंगर श्रीराम चंद्र

इंडियन आइडल विनर और बिग बॉस तेलुगु विनर श्रीराम चंद्र भी इस साल बिग बॉस के घर के अंदर अपने सुरों का तड़का लगा सकते हैं.

करण सिंह ग्रोवर

टीवी और बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर करण सिंह ग्रोवर को भी रियलिटी शो के लिए अप्रोच किए जाने की खबरें हैं.

सारा-जान्हवी सबकी छुट्टी कर देंगी नवाजुद्दीन की बेटी? ऑडिशन Video देख हर कोई हैरान

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की गिनती हिंदी सिनेमा के बेहतरीन एक्टर्स में होती है. नवाजुद्दीन ने बॉलीवुड में कभी छोटे मोटे रोल करके जगह बनाई थी. जबकि अब वो फिल्मों और वेब सीरीज में लीड रोल निभाते हैं. उनकी राह पर चलते हुए उनकी बेटी शोरा सिद्दीकी भी एक्टिंग में ही अपना करियर बनाना चाहती हैं. फिलहाल वो लंदन में एक्टिंग की पढ़ाई कर रही हैं. इसी बीच शोरा का एक ऑडिशन वीडियो सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर हर किसी का दिल जीत लिया.शोरा सिद्दीकी का ये वीडियो खुद नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर किया है. ये उनके एक्टिंग ऑडिशन का वीडियो है. सोशल मीडिया पर यूजर्स इसे काफी पसंद कर रहे हैं. कोई कह रहा है कि उन्होंने ऐसा टैलेंट पहले कभी नहीं देखा. तो कोई शोरा के महान एक्ट्रेस बनने की भविष्यवाणी कर रहा है. वहीं ये वीडियो देखने के बाद आप भी ये कहेंगे कि अगर शोरा बॉलीवुड में आती हैं तो वो सारा अली खान, जान्हवी कपूर जैसी एक्ट्रेसेस पर भी भारी पड़ सकती हैं.

नवाजुद्दीन ने शेयर किया बेटी का वीडियो

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सोमवार, 14 जुलाई को अपने इंस्टाग्राम हैंडल से ये वीडियो शेयर किया. इसे शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा है, क्या मैं अंदर आ सकता हूंज्सीन वन. इस वीडियो में शोरा एक अन्य युवती के साथ नजर आ रही हैं और वो अंग्रेजी में ऑडिशन देते हुए डायलॉग बोल रही हैं. जिसे सोशल मीडिया यूजर्स काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट्स में उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं.

यूजर्स क्या बोले ?

एक यूजर ने लिखा, दिल खुश हो गया. एक ने लिखा, वो बॉलीवुड पर छा जाएंगी. एक ने लिखा, शोरा. आपकी अदाकारी देखकर अच्छा लगा, बेटियां, बाप की आंखों में छुपे ख्वाब को पहचानती हैं. एक ने लिखा, वो बहुत कॉन्फिडेंट और कम्फर्टेबल हैं.एक ने कमेंट किया, रॉ, रियल और पहले से ही प्रभावशाली. एक अन्य यूजर ने शोरा की तारीफ में लिखा, मुझे उम्मीद है कि आप एक दिन महान एक्ट्रेस बनेंगी. आपको शुभकामनाएं.

किसके साथ कॉफी डेट पर गईं 'तारक मेहता' की 'बबीता जी'? एक-दूजे पर जमकर लुटाया प्यार

पॉपुलर कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भूतनी के नए ट्रैक के चलते खूब सुर्खियों में रहा है. पर अब 'भूतनी' बनी चकोरी की पूरी सच्चाई पता लग गई है. साथ ही शो में भी टीआरपी चार्ट में नंबर-1 पर बना हुआ है. पर शो में जेठालाल की वापसी तो हो गई है, पर अब भी 'बबीता जी' गायब हैं. जिसने उनके फैन्स को परेशान कर दिया है. कुछ दिनों पहले ही एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता ने वेकेशन की तस्वीरें शेयर की हैं. अब शो में कब आएंगी, यह तो नहीं पता पर उनकी कॉफी डेट की तस्वीरें वायरल हो रही हैं. किसके साथ वो पहुंची हैं ? जानिए

37 साल की बबीता जी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कॉफी, बिस्किट और एक खास शख्स की तस्वीर की. जिसके साथ वो कॉफी डेट पर पहुंची हैं. खास बात यह है कि वो स्पेशल शख्स भी 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से ही हैं. दोनों कॉफी डेट के बाद एक दूसरे पर प्यार लुटाती नजर आईं. साथ ही कई सारी तस्वीरें भी शेयर की हैं.

'बबीता जी' की कॉफी डेट कौन ?

बबीता जी उर्फ मुनमुन दत्ता अपनी तस्वीरों के चलते खूब चर्चा में रहती हैं. पहले दिन से 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से जुड़ीं एक्ट्रेस को बबीता जी बनकर घर-घर पहचान मिली है. दरअसल उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है. एक्ट्रेस बीते दिनों अपनी को-स्टार अंजलि भाभी उर्फ सुनैना फौजदार के साथ वक्त बिताती नजर आईं. दोनों साथ में शो में काम करती हैं. साथ ही अच्छी बॉन्डिंग भी शेयर करती हैं. मुनमुन दत्ता ने उनके साथ तस्वीर शेयर की. जहां उन्होंने साथ-साथ खूब मस्ती भी की.

मुनमुन दत्ता ने सुनैना की इंस्टाग्राम स्टोरी को री-शेयर किया है. साथ ही लिखा- हैलो मेरी प्रीटि कॉफी डेट. दरअसल मुनमुन दत्ता खुद को सिंगल बताती हैं. हालांकि, उनका शो में ही एक एक्टर के साथ नाम जुड़ चुका है. सगाई तक की खबर आ गई थी, पर उन्होंने सबको बाद में गलत बताया. एक्ट्रेस को इंस्टाग्राम पर 8.6 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. हालांकि, उन्होंने डेट पर सिंपल व्हाइट लाइनिंग टॉप के साथ मिनिमल मेकअप रखा था.

किसके फॉलोअर्स ज्यादा हैं ?

दरअसल इस मामले में बबीता जी आगे हैं. उनके इंस्टाग्राम पर 8.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं. जबकि ग्लैमर का तड़का लगाने वाली अंजलि भाभी भी किसी से कम नहीं है. उन्हें सिर्फ 1.2 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. खास बात यह है कि फिटनेस के मामले में दोनों एक दूसरे को कांटे की टक्कर देती हैं. लेकिन लोगों को इनकी बॉन्डिंग पसंद आई.

दीपिका कक्कड़

ने करवाया मैमोग्राफी टेस्ट, लेफ्ट ब्रेस्ट में थे लिम्फ नोड्स, पिलाना बंद किया बेटे रुहान को दूध

'ससुराल सिमर का' से रातों रात स्टार बनीं एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने स्टेज 2 के लिवर कैंसर से जूझ रही हैं. हाल में उन्होंने सर्जरी करवाई और ट्रीटमेंट की का प्रोसेज जारी है. इस बीच दीपिका ने एक मैमोग्राफी टेस्ट भी करवाया है. अभिनेत्री ने अपने पति शोएब इब्राहिम के व्लॉग में इन टेस्ट्स के पीछे का कारण बताया है. दरअसल, 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेने के बाद दीपिका को कई तरह हेल्थ इशुज हुए. उनकी हेल्थ में कई उतार-चढ़ाव आए. उन्हें अपने बाएं कंधे में तेज दर्द की वजह से कुकिंग रियलिटी शो छोड़ना पड़ा.

दीपिका कक्कड़ को पहले ही मैमोग्राफी टेस्ट कराने की सलाह दी गई थी. लेकिन अचानक स्टेज 2 लिवर कैंसर का पता चलने के बाद कई और टेस्ट करवाए और कंधे के टेस्ट को टालना पड़ा. अब एक नए व्लॉग में, दीपिका ने टेस्ट्स के पीछे की वजह और उनके रिजल्ट भी बताए. उन्होंने कहा, ऋपिछले कुछ समय से मेरी सेहत बहुत ऊपर-नीचे रही है, जनवरी से जब मेरे बाएं कंधे में दर्द शुरू हुआ था, तो उस समय भी कुछ समझ नहीं पाए थे.

दीपिका कक्कड़ ने आगे कहा, पर पहला जो डायग्नोसिस था वो ये लिम्फ नोड्स लेफ्ट ब्रेस्ट एरिया में थे. तो इसलिए तब ऐसा लगा कि शायद यही कारण हो सकता है. फिर उसके बाद दूसरा डायग्नोसिस जो था वो ये था कि लेफ्ट मसल में इंजरी हुई है. फिर उसके बाद अभी जो डॉक्टर ने बताया कि इसी वजह से हो सकता है.

दीपिका कक्कड़ की हेल्थ इशुज की वजह से हुई टेस्ट में देरी

दीपिका कक्कड़ ने आगे कहा, सर्जरी को अभी लगभग 1.5 महीने हो गए हैं और वैसा दर्द फिर से नहीं हुआ है. तो इसलिए हमने उस समय जो मैमोग्राफी की थी तो डॉक्टर ने कहा था कि कुछ खराब नहीं लग रहा है पर एक सेफ साइड में हम इसे 3 महीने में रिपीट करेंगे लेकिन 3 महीने की जगह ज्यादा वक्त हो गया. मेरी हेल्थ इशुज की वजह से.

दीपिका कक्कड़ ने रुहान का दूध छुड़ाया

दीपिका कक्कड़ ने वीडियो में आगे बताया कि उन्होंने अचानक रुहान को दूध छुड़ाया. हालांकि उन्होंने दूध बनने को रोकने के लिए गोलियां ली थीं, फिर भी उन्हें कुछ असुविधा और हल्का दर्द महसूस हुआ. उन्होंने सोचा कि कोई जोखिम नहीं लेना चाहिए और बिना देरी के इसे चेक करवाने का फैसला किया.

क्या होता है मैमोग्राफी टेस्ट

शोएब इब्राहिम ने बताया कि मैमोग्राफी हो चुकी है और रिजल्ट ठीक हैं. उन्होंने यह भी बताया कि लिम्फ नोड्स अपने आप गायब हो गए हैं. दीपिका ने आगे बताया कि जब उन्होंने जनवरी 2025 में मैमोग्राफी की थी, तो लिम्फ नोड्स का साइज बढ़ गया था. उन्होंने कहा कि अब लिम्फ नोड्स नॉर्मल हैं. बता दें, मैमोग्राफी एक ब्रेस्ट कैंसर की का पता लगाने के लिए एक खास तरह का एक्स-रे होता है.

भारत ने आकाश एयर डिफेंस सिस्टम का परीक्षण करके दिखाई ताकत

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीनी विमानों और तुर्किये ड्रोनों के हवाई हमलों को किया था बेअसर

नई दिल्ली/एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीनी विमानों और तुर्किये के ड्रोनों के हवाई हमलों को बेअसर करने वाले स्वदेश निर्मित आकाश एयर डिफेंस सिस्टम का बुधवार को भारतीय सेना ने लद्दाख सेक्टर में 15 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर परीक्षण किया। भारतीय वायु सेना ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दुश्मनों के विमानों को चंद मिनटों में मार गिराने में सक्षम मिसाइलें दागीं। परीक्षण के वक्त इस बात का ध्यान रखा गया कि किसी भी सूरत में अगर दुश्मन के विमान भारतीय वायु सीमा का उल्लंघन करें, तो उन्हें हर परिस्थिति में मार गिराया जाए। डीआरडीओ निर्मित यह प्रणाली दुश्मन के लड़ाकू विमानों का 30 किलोमीटर पहले ही पता लगाकर उसे नीचे ला सकती है। आकाश मीडियम रेंज की हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन, भारत डायनामिक्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने तैयार किया है। चीन के साथ तनाव की शुरूआत के समय से ही पूर्वी लद्दाख सीमा पर भारत ने स्वदेश निर्मित आकाश एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर रखा है। भारत की स्वदेशी आकाश मिसाइल प्रणाली 4.5 किमी से 25 किमी की दूरी तय करती है। ये 100 मीटर से 20 किलोमीटर की ऊंचाई तक

हवाई खतरों से निपट सकती है। यह एक कमांड गाइडेंस सिस्टम का उपयोग करता है। यह सिस्टम हेलीकॉप्टरों, लड़ाकू विमानों और मानव रहित हवाई वाहनों को निशाना बना सकता है। डीआरडीओ के मुताबिक इसमें लड़ाकू जेट विमानों, क्रूज मिसाइलों और हवा से सतह वाली मिसाइलों के साथ-साथ बैलिस्टिक मिसाइलों जैसे हवाई लक्ष्यों को बेअसर करने की क्षमता है। यह भारतीय थल सेना और भारतीय वायु सेना के साथ परिचालन सेवा में है।आर्मी एयर डिफेंस ने आज डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर लद्दाख सेक्टर में 15 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर परीक्षण किया। इस दौरान सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों ने अत्यंत ऊंचाई वाले क्षेत्र में अत्यंत तेज गति से चलने वाले लक्ष्य विमानों पर दो सीधे प्रहार किए। लांच प्लेटफार्म को दोनों पहियों और ट्रैक वाहनों के साथ एकीकृत किया गया है जबकि आकाश सिस्टम को मुख्य रूप से एक हवाई रक्षा (सतह से हवा) के रूप में बनाया गया है। इसे मिसाइल रक्षा भूमिका में भी टेस्ट किया गया है। आकाश प्राइम प्रणाली भारतीय सेना में आकाश वायु रक्षा प्रणालियों की तीसरी और चौथी रेजिमेंट का गठन करेगी। इस प्रणाली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीनी विमानों और तुर्की ड्रोनों का उपयोग करके पाकिस्तानी सेना के हवाई हमलों को विफल करने में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। आकाश प्रक्षेपास्त्र की एक बैटरी में तीन-तीन मिसाइलों के साथ चार लांचर हैं, जो एक दूसरे से जुड़े हैं। प्रत्येक बैटरी 64 लक्ष्यों तक को ट्रैक कर-के उनमें से 12 तक पर हमला कर सकती है। आकाश प्रणाली पूरी तरह से गतिशील और वाहनों के चलते काफिले की रक्षा करने में सक्षम है।

आआपा विधायक ने कांग्रेस विधायक पर लगाया चिट्टा बेचने का आरोप

चंडीगढ़/एजेंसी

पंजाब विधानसभा में नशे के मुद्दे पर चर्चा के दौरान एक विधायक ने दूसरे विधायक को कथित तौर पर गाली देने की बात सामने आई है। जिसे लेकर सदन में हंगामा हो गया। हालांकि जिस समय यह विवाद हुआ, उस समय कांग्रेस विधायक का माइक बंद था। मंगलवार दोपहर को विधानसभा में नशे के मुद्दे पर चर्चा हो रही थी। स्पीकर कुलतार सिंह संधवा की चेयर पर डिप्टी स्पीकर जयकिशन रोड़ी बैठे थे। इसी दौरान आम आदमी पार्टी के लुधियाना से विधायक मनविंदर ग्यासपुरा ने जालंधर नॉर्थ से कांग्रेस विधायक बावा हैनरी उर्फ अवतार हैनरी जूनियर के परिवार पर नशा बेचने के आरोप लगाया। इससे बावा हैनरी गुस्से में आ गए और उन्होंने आआपा के सदस्य ग्यासपुरा के लिए अपशब्द कह दिया। इतना सुनते ही सदन में हंगामा मच गया। ग्यासपुरा ने डिप्टी स्पीकर को कहा कि अगर किसी उच्च जाति के विधायक को यहां गाली दी जाती तो आपने एक्शन ले लेना था। मगर, मैं संविधान की ताकत से विधायक बनकर आया हूं। आप मुझ जैसे दलितों के साथ इंसाफ नहीं कर सकते तो मैं चुप बैठ जाता हूं। इस पर डिप्टी स्पीकर ने कहा कि आपको गाली देने वाले पर कार्रवाई होगी। विधायक को नोटिस दिया जाएगा। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने डिप्टी स्पीकर से कहा कि आप रिकॉर्डिंग चेक कर लें, किसने पहल की है। इसी दौरान स्पीकर कुलतार संधवां भी सदन में आ गए। विपक्षी दल नेता बाजवा ने उन्हें बताया कि आआपा के एक सदस्य ने पहले कांग्रेस विधायक पर चिट्टा बेचने का आरोप लगाया। हालांकि आगे से कांग्रेस विधायक ने भी उचित व्यवहार नहीं किया। सारा रिकॉर्ड चेक किया जाना चाहिए। स्पीकर ने बताया कि गाली दी गई है, लेकिन उस समय माइक बंद था।

स्पीकर ने सत्ता पक्ष की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर वह कोई प्रस्ताव लाना चाहते हैं तो ला सकते हैं। इस बीच प्रताप बाजवा ने खड़े होकर पार्टी विधायक की तरफ से माफी मांग ली। जिसके बाद सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

उत्तराखंड के स्कूलों में 2026-27 से पाठ्यक्रम में शामिल होंगी श्रीमद्भगवद्गीता और रामायण

देहरादून/एजेंसी

उत्तराखंड सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शैक्षिक सत्र 2026-27 से श्रीमद्भगवद्गीता और रामायण को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। साथ ही, नैतिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूलों में गीता के श्लोकों का वाचन शुरू हो गया है। दरअसल, 6 मई 2025 को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को इस बाबत निर्देश दिए थे की नई शिक्षा नीति में जो भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रावधान किया गया है। उसके तहत बच्चों के पाठ्यक्रम में श्रीमद्भगवद्? गीता और रामायण को शामिल किया जाए। जिससे चलते शिक्षा विभाग ने एक और कदम आगे बढ़ते हुए 15 जुलाई से प्रदेश के सभी स्कूलों में श्रीमद्भगवद्? गीता के श्लोक के वाचन शुरू कर दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती ने बताया कि सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार,

स्कूलों में श्रीमद्भगवद्गीता के कुछ श्लोकों को लेकर बच्चों को भारतीय ज्ञानपरंपरा और जीवन मूल्यों की जानकारी दें।

शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश

-प्रार्थना सभा में रोजाना श्रीमद्भगवद्गीता के कम से कम एक श्लोक को अर्थ सहित छात्र-छात्राओं को सुनाया जाए।

- श्लोक के वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जानकारी छात्र-छात्राओं को दी जाय।

- हर सप्ताह एक मूल्य आधारित श्लोक को 'सप्ताह का श्लोक' घोषित कर उसे सूचना पट्ट पर अर्थ सहित लिखा जाय।

- जिसका बच्चे अभ्यास करें और हफ्ते के अन्तिम दिन इस श्लोक पर चर्चा की जाय।

- शिक्षक समय-समय पर श्लोकों की व्याख्या करें और बच्चों को जानकारी दें।

- श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धांत किस प्रकार मानवीय मूल्य, व्यवहार, नेतृत्व कौशल, निर्णय क्षमता, भावनात्मक संतुलन और वैज्ञानिक सोच विकसित करते हैं।

- छात्र-छात्राओं को ये भी जानकारी दी जाय कि श्रीमद्भगवद्गीता में दिए गए उपदेश सांख्य, मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र, व्यवहार विज्ञान एवं नैतिक दर्शन पर आधारित हैं जो कि धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण से सम्पूर्ण मानवता के लिए उपयोगी हैं।

- छात्र-छात्राओं को श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक केवल विषय या पठन सामग्री के रूप में न पढ़ाए जाएं।

मुख्य कृषि अधिकारी ने विभिन्न गांवों का दौरा कर फसलों का जायजा लिया

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

मुख्य कृषि अधिकारी, पठानकोट डॉ. जंगीर सिंह ने पठानकोट के विभिन्न गाँवों का निरीक्षण किया और धान की फसल में कम पौधे, डी.एस.आर. और मक्के की खेती में कम पौधे आने की समस्या पर किसानों से चर्चा की। डॉ. जगीर सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी, पठानकोट ने किसानों को धान की फसल का निरंतर निरीक्षण करने की सलाह दी और कहा कि धान की फसल पर टिड्डियों के हमले की स्थिति में अपने ब्लॉक के कृषि अधिकारियों/कर्मचारियों/केवीके से संपर्क करें। कृषि विभाग के फसल वैज्ञानिकों से संपर्क कर उनके द्वारा सुझाए गए

कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। इसके अलावा, मुख्य कृषि अधिकारी, पठानकोट ने सभी ब्लॉक अधिकारियों/संबंधित प्रभारियों को अपने कर्मचारियों के माध्यम से हर गांव में धान की फसल पर लगातार नजर रखने और हमला किए गए खेतों में टिड्डियों के नियंत्रण के लिए पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा अनुशंसित कीटनाशकों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही, सभी कीटनाशक डीलरों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे किसानों को अपनी मर्जी से कीटनाशकों का छिड़काव न करें और विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसित दवाइयों जैसे कि 120 ग्राम शतरंज 50 डब्ल्यू जी , या 80 ग्राम ओसियन/टोकन/डोमिनेंट 20 एसजी या 60 ग्राम उलाला 50 डब्ल्यू जी या 800 मिलीलीटर एकालक्स/क्वीन गार्ड / क्वीनालफास 25 ईसी (क्विनालफॉस) को 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ पौधों के आधार पर छिड़काव करें।

ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के लिए डेयरी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 21 जुलाई से 01 अगस्त तक शुरू किया जाएगा

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

जिला पठानकोट के ग्रामीण बेरोजगार युवा लड़के/लड़कियों के लिए डेयरी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 21 जुलाई 2025 से 01 अगस्त 2025 तक डेयरी प्रशिक्षण एवं विस्तार केंद्र वेरका (अमृतसर) में आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए, श्री कश्मीर सिंह, उप निदेशक डेयरी विकास, पठानकोट ने बताया कि कृषि में विविधता लाने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से, डेयरी व्यवसाय को सहायक व्यवसाय के रूप में

अपनाने हेतु 2 सप्ताह का डेयरी प्रशिक्षण आयोजित किया जाना है।

इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में, जिला पठानकोट के ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित, कम से कम ५ वीं पास, 18 से 55 वर्ष की आयु के बेरोजगार ग्रामीण युवा लड़के/लड़कियां भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण शुल्क सामान्य जाति के लिए 1000/- रुपये तथा अनुसूचित जाति के लिए 750/- रुपये है, जो दिनांक 21/07/2025 को मौके पर ही जमा करवाना होगा तथा 2 सप्ताह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात प्रशिक्षुओं को विभाग द्वारा प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा, जिसके अनुसार वे विभिन्न बैंकों से डेयरी ऋण सुविधा के माध्यम से 2,5,10 तथा 20 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाइयां स्थापित करके सामान्य वर्ग के लिए 25% तथा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 33% अनुदान प्राप्त कर सकेंगे। इस संबंध में जो युवक/युवतियां प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं, वे कार्यालय उपनिदेशक डेयरी विकास, पठानकोट में अपना मूल योग्यता प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड जिला प्रशासनिक परिसर, मलिकपुर, द्वितीय तल, कमरा नंबर 345-ए में जमा करवा सकते हैं।

वाटर सप्लाई विभाग ने गांव दुनेरा मे पानी के बिलों के डिफाल्टरों के पानी के आठ कनेक्शन काटे

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

पंजाब वाटर सप्लाई विभाग की ओर से पानी के बिलों के डिफाल्टरो के पानी के कनेक्शन काटने के लिए विभाग ने अपना अभियान तेज कर दिया है। इस सबंध में वाटर सप्लाई दुनेरा उप मंडल के एसडीओ रमेश कुमार, सहायक अभियंता दिनेश लोहरिया , बिल लिपिक पवन, पारूल , दीपक व अन्य कर्मचारियों के सहयोग से आठ डिफाल्टरों के पानी के कनेक्शन काटे गए है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग की हिदायत अनुसा, जिन पानी के उपभोगताओं के पानी के बिलों की पिछले एक वर्ष से कोई अदायगी नहीं हुई है तथा जिनके पानी के बिल पिछले समय से बकाया है,उनके कनेक्शन काटे जाए। उन्होंने बताया कि पूरे धार क्षेत्र में इस समय बहुत से पानी के उपभोगताओं के पानी के बिल बकाया पडे है तथा उक्त डिफाल्टरों को विभाग की ओर से तीन वार पानी के बिल जमा करवाने के लिए नोटिस भी दिए जा चुके है, परंतु डिफाल्टर नोटस जारी होने के बावजूद भी पानी के बिलों की अदायगी नहीं कर रहे है , जिस कारण विभाग विवश हो कर पानी के कनेक्शन काट रहा है। उन्होंने बताया कि अकेले दुनेरा में ही लगभग बीस लोगों के पानी के बिलों की अदायगी पिछले एक वर्ष नहीं हुई है, जिसकारण विभाग अब उक्त डिफाल्टरों के पानी के कनेक्शन काट रहा है।

अध्यापकों ने स्कूल को भेंट किया कंप्यूटर, बच्चों में खुशी की लहर

दिव्य दिल्ली : भरमाड़ (राजेश कतनौरिया)

ज्वाली विधानसभा क्षेत्र के तहत राजकीय प्राथमिक पाठशाला मैरा मैं दिलावर सिंह हीरा तथा मैडम बिमला देवी हीरा स्कूल अध्यापक द्वारा स्कूल के बच्चों को कम्प्यूटर शिक्षण के लिए एक कम्प्यूटर बच्चों को भेंट स्वरूप प्रदान किया गया ! जैसा कि आप जानते हैं कि

हमारे इस स्कूल मैं लोक कल्याण समिति मैला के प्रयासों से बच्चों को विधिवत रूप से कम्प्यूटर शिक्षा दी जा रही है ! दिलावर सिंह हीरा व मैडम बिमला देवी तथा लोक कल्याण समिति मैला के प्रयासों से राजकीय प्राथमिक पाठशाला मैरा की ओर से दिल की गहराइयों से धन्यवाद करते हैं ! दिलावर सिंह हीरा का कहना है कि आज कम्प्यूटर युग का जमाना है और हर काम कम्प्यूटर द्वारा किया जा रहा है ! इसलिए बच्चों को कम्प्यूटर की शिक्षा शुरू से देना जरूरी है ताकि वो कम्प्यूटर की शिक्षा धीरे धीरे हासिल कर लें ! और बड़ी कक्षा तक पहुंचने तक कम्प्यूटर का पूरा ज्ञान हासिल कर लें

ई-कॉमर्स प्लेटफार्म के डिलीवरी बॉय से जुड़ी याचिका पर केंद्र, दिल्ली पुलिस कमिश्नर को नोटिस

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट ने ई-कॉमर्स प्लेटफार्म के डिलीवरी बॉय द्वारा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को करने का आदेश दिया। याचिका वकील शशांक त्रिपाठी ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि ई-कॉमर्स प्लेटफार्म के लिए काम करने वाले डिलीवरी बॉय सड़कों पर ट्रैफिक नियमों का जबरदस्त उल्लंघन करते हुए नजर आते हैं। इनके खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं होती है। डिलीवरी बॉय ऐसा जल्दी सामान पहुंचाने के लिए करते हैं।

केहर सिंह खाची ने पौंग झील का किया निरीक्षण

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर हिमाचल प्रदेश राज्य वन विकास निगम के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) केहर सिंह खाची ने आज पौंग झील का दौरा किया। नूरपुर पहुंचने पर पूर्व विधायक अजय महाजन ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर निदेशक (उत्तरी क्षेत्र) नीतिन पाटिल, वन विकास निगम के निदेशक योगेश महाजन, वन मंडल अधिकारी अमित शर्मा तथा मंडलीय प्रबंधक अजय शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। नूरपुर स्थित वन विभाग के विश्रामगृह में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष खाची ने कहा कि हाल ही में प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं, विशेषकर मंडी और कुल्लू जिलों में बादल फटने की घटनाओं के कारण व्यापक नुकसान हुआ है, जिसमें वनों को भी काफी क्षति पहुंची है।उन्होंने स्पष्ट किया कि बाढ़ के कारण पंडोह

डैम और पौंग झील में बहकर आई लकड़ी को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे अवैध कटान के आरोप निराधार हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में उन्होंने अधिकारियों के साथ पंडोह डैम का निरीक्षण किया, जहां लगभग 90 प्रतिशत लकड़ी सड़ी-गली अवस्था में पाई गई, जो ईंधन के रूप में भी उपयोग योग्य नहीं है।खाची ने कहा कि आज उन्होंने स्वयं बोट के माध्यम से पौंग झील का निरीक्षण किया और यहां भी जो लकड़ी बाढ़ में बहकर आई है, वह जर्जर अवस्था में है और जलाने के लायक भी नहीं है।

उन्होंने बताया कि यह लकड़ी वर्षों से जंगलों में पड़ी थी, जो अब बाढ़ के कारण बहकर आई है और इसे अवैध कटान से जोड़ना तथ्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्थान पर देवदार या अन्य अच्छी गुणवत्ता की लकड़ी बहकर आई है, तो उसे संबंधित वन मंडल अधिकारी द्वारा चिन्हित कर वन विकास निगम के माध्यम से डिपो तक पहुंचाया जाएगा, जिससे सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी। उपाध्यक्ष खाची ने बताया कि पौंग झील में आई लकड़ी की स्थिति का आकलन करने के लिए डीएफओ वाइल्ड लाइफ की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाएगी, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी तक अवैध कटान को लेकर कोई भी अधिकृत रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397